वर्ष : 34 | अंक : 295 | मुंबई, गुरुवार, 1 जनवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

उम्मीद का सवेरा

समय की चाल के साथ ख्वाबों में सलवटें पड़ जाती हैं। उन सलवटों को रंग देने का वक्त होता है नया साल। 2025 चुनौती भरा साल रहा। दुनियाभर में संघर्षों का नया दौर शुरू हुआ। उम्मीद है कि नववर्ष में इन संघर्षों पर लगाम लगेगी। दुनिया तरक्की की नई तस्वीर देखेगी। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। सभी की उम्मीद भरी निगाहें भारत पर टिकी हैं। उम्मीद है कि नववर्ष पर भारत तेज आर्थिक विकास के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर विकसित करेगा। सड़क, बिजली, पानी और रेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस किया जाएगा। मंहगाई और ग्रामीण भारत पर सरकार को अधिक ध्यान देना होगा। मध्य-पूर्व में बदलते हालात के बीच तेल की कीमतों को नियंत्रित करने की चुनौती होगी।

सियासी परिदृश्य

सियासी परिदृश्य की बात करें तो 2026 में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं। देश के नेताओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती आने वाले 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने की है। 2025 में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव है। इनमें से असम और पुडुचेरी में बीजेपी की सरकार है। बाकी सभी जगह विपक्षी दलों का कब्जा है।

बीजेपी: असम में बीजेपी अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखना चाहेगी। इसके अलावा उसका मुख्य फोकस दक्षिण में विस्तार का है। तमिलनाडु और केरल चुनाव को पार्टी बेहद अहम मान रही है। तिरुवनंतपुरम नगर निगम में मिली जीत से पार्टी उत्साहित है। उधर, तमिलनाडु से भी बीजेपी को काफी उम्मीद है। वहीं डीएमके अपनी सत्ता को बरकरार रखने की पूरी कोशिश करेगी। पिछले चुनाव में बीजेपी ने बंगाल में अच्छा प्रदर्शन किया था।

टीएमसी: 2026 में टीएमसी के सामने सबसे बड़ी चुनौती बीजेपी को रोकने की है। वहीं सत्ता विरोधी लहर से भी पार पाना होगा। अगर कांग्रेस गठबंधन से अलग लड़ी तो वह टीएमसी को बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है। अब देखना यह होगा कि टीएमसी उससे और अपने ही पूर्व विधायक हुमायूं कबीर से कैसे पार पाती है। हालांकि टीएमसी की ख्वाहिश सत्ता में वापसी करेगी 2026 में इतिहास रचने की है।

आम आदमी पार्टी: 2025 में आम आदमी पार्टी को अपना सबसे मजबूत किला दिल्ली खोना पड़ा। यही से पार्टी का नींव पड़ी थी। अब पार्टी का पूरा फोकस पंजाब और आने वाले गुजरात चुनाव में है। 2026 में पार्टी पंजाब में अपनी सियासी जमीन और जनता के बीच पकड़ मजबूत बनाने की कोशिश करेगी, ताकि 2027 के विधानसभा चुनाव में अपने दूसरे किले पंजाब को बरकरार रखा जा सके और गुजरात में सेंधमारी की सके।

कांग्रेस: साल 2025 कांग्रेस के लिए चुनौती भरा रहा। विधानसभा चुनाव में पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। 2024 में महाराष्ट्र और हरियाणा में भी पार्टी कुछ खास नहीं कर सकी। मगर 2026 से उसे उम्मीदें हैं। पार्टी तमिलनाडु और केरल के अलावा असम व बंगाल में बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है।

अर्थव्यवस्था: ग्रोथ को बनाए रखना चाहेगा भारत

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। नववर्ष में भी भारत अपनी इसी ग्रोथ को बनाए रखना चाहेगा। विश्वबैंक ने 2026 में 6.5 फीसद विकास दर का अनुमान लगाया। वहीं आईएमएफ का अनुमान 6.2 से 6.6% के बीच है। भारत का लक्ष्य मंहगाई को 4% के आसपास रखने का होगा। हाल ही जापान को पछाड़कर भारत विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। अब भारत का लक्ष्य जर्मनी को पछाड़कर तीसरे पायदान पर आने का है।

खेल में भारत को क्या उम्मीद?

आईसीसी पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप का आयोजन इसी साल भारत और श्रीलंका में किया जाएगा। भारत ने पिछला टी-20 विश्वकप अपने नाम किया था। इस बार भी टीम की उम्मीद जीत के सिलसिले को बरकरार रखने का होगा। विश्वकप का आयोजन 7 फरवरी से 8 मार्च तक किया जाएगा। फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसी साल जापान में आयोजित होने वाले एशियन गेम्स से भी भारत को खूब उम्मीदे हैं। खास बात यह है कि क्रिकेट को भी इसमें शामिल किया गया है। ऐसे में भारत को पदक की पूरी उम्मीद है। वहीं इंडिया ओपन (बैडमिंटन) में पदक की आशा है।

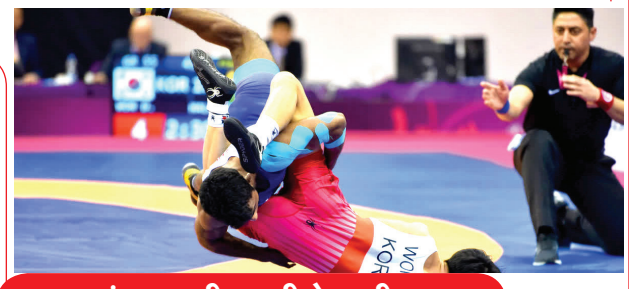

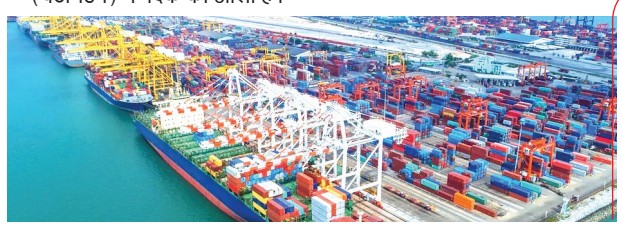

अंतरराष्ट्रीय: फ्री ट्रेड डील पर रहेगा फोकस

अमेरिका की टैरिफ चुनौतियों के बीच भारत अपने व्यापार में विविधता ला रहा है। यूके, ओमान और न्यूजीलैंड के बाद भारत की उम्मीद 2026 में कई अन्य देशों के साथ फ्री ट्रेड डील साइन करने की है। अमेरिका से भी व्यापार समझौते पर अंतिम चरण की बातचीत चल रही है। उम्मीद है कि इसी साल कुछ बेहतर हो सकता है। भारत लगातार अपने पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों को बेहतर करने में जुटा है। मगर बांग्लादेश के साथ रिश्ते बेहद तनाव भरे हैं। उम्मीद है कि वहां नई सरकार के गठन के साथ भारत से रिश्तों को बेहतर किया जाएगा।

विशेष सम्पादकीय

तारीख बदली, प्रयास जारी

अरुण लाल
arunlal.y@gmail.com

कोविड के समय हम एक ऐसे एडिटर की टीम का हिस्सा थे, जो कहते थे कि मैं चपरासी से होकर एडिटर की पोस्ट तक पहुंचा हूं। दुनिया एक महामारी के सामने लाचार सी नजर आ रही थी। लोग पके आम की तरह अपनी शाखाओं से गिर रहे थे। भय ने चारों तरफ अपना साम्राज्य ऐसे फैला रखा था कि धनवान क्या गरीब क्या सबकी सांसें रुकी हुई थीं। खैर, चूंकि संपादक के भीतर का चपरासी गया नहीं था तो उन्होंने, पत्रकारों के साथ अभद्रता बढ़ा दी। कुछ ही समय में हमें पता चल गया कि वे आज भी चपरासी ही हैं, बस बैठते संपादक की कुर्सी पर हैं। भीतर के पत्रकार का चपरासी से टकराव हुआ और अपनी शर्तों पर विदाई हुई। मन में एक खटक रही कि पत्रकारों की गरिमा कम हो गयी लगती है। पता नहीं कहां से पर यह सोच जन्मी की एक ऐसा संस्थान हो जहां पत्रकार होना गौरव का विषय हो। यहां मैं उन लोगों की बात नहीं कह रहा जो खबर लिखना जानने से पत्रकार हो गए। मैं उन लोगों की बात कर रहा हूँ, जिन्हें इतिहास, भूगोल, दर्शन, गणित, विज्ञान, साहित्य व दुनियाभर बीके समाज की जानकारी और जिज्ञासा है।

बस एक सोच भर थी यह। तभी एक वरिष्ठ साथी ने मनोबल बढ़ाया, उनका कहना था, अच्छी हिंदी में खबरें देकर हिंदी को बचाया जाए। सच कहूं तो मैं बस यह सोचता रहा कि पत्रकारिता व पत्रकारों का सम्मान लौटना है। अजीब सा मतवालापन जीवन में हावी हो गया, हम बस चलते गए। हम बस वहां तक पहुंचना चाहते हैं ताकि कोई चपरासी की क्षमता का व्यक्ति पत्रकारों को अपमानित न करे।

पहले इंडिया ग्राउंड रिपोर्ट एक साल चलाया। इतनी मेहनत हुई कि साल भर में लोगों ने वेबसाइट को हांथोहाथ उठा लिया। संघर्ष इतना कि साथियों ने घर चल सके इतने पैसे में वर्षों चार गुना मेहनत की। टीम ने सुनिश्चित किया चाहे जो हो हारने का विचार भी न लाएं दिमाग में। एक से एक झूठे, एक से एक ठगों व लबारों से पाला पड़ा। चार साल बिना किसी बड़े धन के पत्रकारों द्वारा अखबार चलाना अजूबा ही रहा।

एक पहलू यह भी है इस सफर में अभूतपूर्व सहायता मिली, ऐसे लोग मिले जिनका होना इंसानियत की मिशाल है। ऐसी सुंदर घटनाएं जो इंसान के ऊंचे चरित्र का शानदार उदाहरण रहीं। लोगों ने हमें बहुत उत्साहित होकर प्रोत्साहित किया और हिकारत से भी देखा। पर हमने सिर्फ प्रोत्साहन पर ही फोकस किया। हम फोकस करते भी क्यों नहीं ईश्वर ने हमें ऐसे लोगों से मिलाया जो इंसानियत को बेहतर बनाने के लिए आए हैं। ऐसे लोगों के साथ चलते चलते हम यहां तक आ पहुंचे हैं कि हजारों-हज़ार लोगों के मन में दोपहर की पत्रकारिता पर पूरा विश्वास जम गया। टीम की मेहनत से हमें शहर में पहचाना जाने लगा। सच्चे और बेहतर लोगों के साथ काम करने के चलते चार गुना किया जाने वाला काम भी मौज लगने लगा।

बीते सालों में हमने बहुत सारे लोगों को करीब से देखा। बहुत से लोग पीछे छूटते गए। और बहुत से लोग इतने प्यारे और सुंदर हैं कि हमें जीवन की सुन्दरता पर यकीन बढ़ता जा रहा है। हम और उत्साह से पत्रकारिता को बेहतर बनाने में जुटे हुए हैं। कल नया साल होगा, हम हर नए साल के साथ बेहतर से बेहतरीन होकर समाज को समुचित सूचना, विचार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, रहेंगे।

धन्यवाद आपने हमें अहसास कराया कि सच्ची लगन से सबकुछ पाया जा सकता है।

नव वर्ष की मंगलकामना

महाराष्ट्र बनेगा ऐतिहासिक बदलावों का गवाह

2026 में महाराष्ट्र न केवल राजनीतिक बल्कि प्रशासनिक और बुनियादी ढांचे के स्तर पर भी ऐतिहासिक बदलावों का गवाह बनने जा रहा है। अन्य विश्वसनीय स्त्रोतों और वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रमों के अनुसार, यहाँ होने वाले प्रमुख बदलावों का विस्तृत विवरण दिया गया है:

ऐतिहासिक स्थानीय निकाय चुनाव

राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, बीएमसी (मुंबई) सहित महाराष्ट्र की 29 महानगरपालिकाओं में मतदान 15 जनवरी 2026 को होगा और नतीजे 16 जनवरी को आएंगे। पिछले 3-4 वर्षों से मुंबई और पुणे जैसे शहर बिना निर्वाचित प्रतिनिधियों (नगरसेवकों) के चल रहे थे। 2026 में फिर से मेयर और पार्षदों का शासन लौटेगा। 2,869 पार्षदों के चयन के साथ इस महा-चुनाव के जरिए पूरे राज्य के शहरी शासन की तस्वीर बदल जाएगी।

बुनियादी ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव

2026 वह वर्ष होगा जब महाराष्ट्र के कई 'ड्रीम प्रोजेक्ट्स' जनता के लिए खुल जाएंगे। मार्च 2026 तक लोनावला के पास बन रही यह नई सड़क शुरू हो जाएगी, जिससे मुंबई और पुणे के बीच यात्रा का समय 30 मिनट कम हो जाएगा। पुणे मेट्रो की लाइन 3 (हिंजवड़ी से शिवाजीनगर) और मुंबई की मेट्रो लाइन 6 का काम 2026 के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। इस परियोजना पर 2026 में युद्ध स्तर पर काम होगा, जो भविष्य में संजय गांधी नेशनल पार्क के नीचे से कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

बड़े राजनीतिक गठबंधनों का उदय और बिखराव

2026 में महाराष्ट्र की राजनीति में 'गठबंधन के नए प्रयोग' देखने को मिल रहे हैं। बीएमसी चुनावों के लिए उद्धव ठाकरे (SS UBT) और राज ठाकरे (MNS) ने हाथ मिला लिया है। यह गठबंधन 'मिट्टी के लाल' (Son of the Soil) और हिंदुत्व के मुद्दे पर भाजपा को सीधी टक्कर देने के लिए बनाया गया है। पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ जैसे शहरों में अजित पवार और शरद पवार के गुटों ने स्थानीय स्तर पर साथ आने का फैसला किया है, जो राज्य की राजनीति के लिए एक नया संकेत है। कई जगहों पर महायुति (भाजपा-शिंदे-अजित पवार) के दल स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा मुंबई में 137 और शिंदे सेना 90 सीटों पर लड़ रही है, जबकि अजित पवार की एनसीपी ने स्वतंत्र रूप से उम्मीदवार उतारे हैं।

प्रशासनिक : सदानंद दाते बने महाराष्ट्र के नए डीजीपी

26/11 आतंकी हमलों नायक और एनआईए के प्रमुख रहे आईपीएस अधिकारी सदानंद वसंत दाते को महाराष्ट्र का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया गया है। राज्य सरकार ने बुधवार को उनके नाम पर मुहर लगाई। 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी सदानंद दाते (59 वर्ष) मौजूदा डीजीपी रश्मि शुक्ला की जगह लेंगे, जो 3 जनवरी को सेवानिवृत्त हो रही हैं। दाते को महाराष्ट्र पुलिस बल का प्रमुख बनने के बाद दो वर्षों का कार्यकाल मिलेगा। नरम स्वभाव लेकिन सख्त प्रशासक माने जाने वाले सदानंद दाते हाल ही में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से राज्य लौटे हैं। इससे पहले वह केंद्र में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के प्रमुख के रूप में कार्यरत थे।

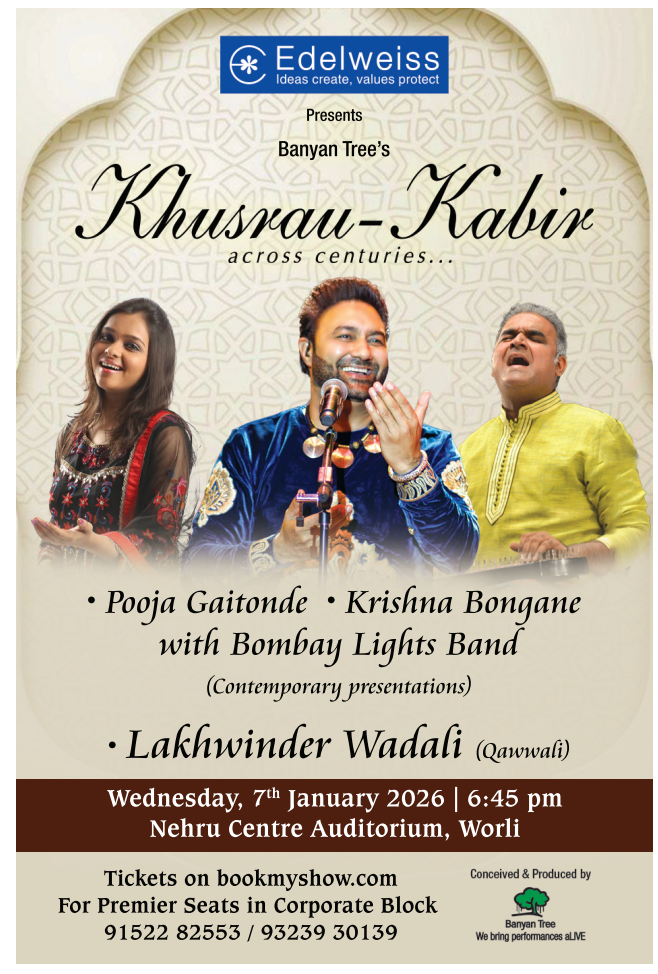

न्यूज ब्रीफ

4 जोड़ी ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए, 04 जोड़ी रुपए ट्रेनों के फेरों को विशेष किराये पर विस्तारित किया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 04828 बांद्रा टर्मिनस–भगत की कोठी स्पेशल को 01 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04827 भगत की कोठी–बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 31 जनवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09622 बांद्रा टर्मिनस–अजमेर स्पेशल को 26 जनवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09621 अजमेर–बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 25 जनवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09057 उधना–मंगलुरु स्पेशल को 28 जनवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09058 मंगलुरु–उधना स्पेशल को 29 जनवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09059 उधना–खुरदा रोड स्पेशल को 25 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09060 खुरदा रोड–उधना स्पेशल को 27 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

भाजपा की उपेक्षा से उत्तरभारतीय समाज में नाराजगी

भिवंडी। भिवंडी मनपा चुनाव में टिकट की आस लगाए बैठे उत्तर भारतीय समाज को भाजपा के फैसले से गहरा धक्का लगा है। पार्टी ने इस बार हिंदी भाषी समाज को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने से इनकार कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप समाज में घोर असंतोष व्याप्त है। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चे के पूर्व अध्यक्ष ने पार्टी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा को उत्तर भारतीय समाज से एलर्जी है। उनका कहना है कि पार्टी समाज का उपयोग केवल भीड़ जुटाने और नारेबाजी के लिए करती है, लेकिन जब सत्ता में भागीदारी और टिकट देने की बात आती है, तो यूपी-बिहार के लोगों के साथ भेदभाव कर उन्हें दरकिनार कर दिया जाता है। पावरलूम नगरी भिवंडी में उत्तर भारतीय समाज के एक लाख से अधिक मतदाता हैं, जो लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत का आधार रहे हैं। इसके बावजूद मनपा चुनाव में समाज के दर्जनों आवेदकों को दरकिनार कर केवल एक उम्मीदवार को टिकट दिया गया है। समाज के नेताओं का कहना है कि हिंदुत्व और पार्टी निष्ठा में हमेशा अग्रणी रहने के बाद भी उन्हें नजरअंदाज किया गया, जबकि अन्य दलों से आए लोगों और दक्षिण भारतीय समाज के चार उम्मीदवारों को टिकट दिया गया है। इस भेदभाव से नाराज होकर अब उत्तर भारतीय समाज ने भाजपा को सबक सिखाने के लिए अन्य दलों या 'नोटा' (NOTA) का विकल्प चुनने का मन बना लिया है। टिकट वितरण में भाजपा के दोहरे मापदंड को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। भाजपा के प्रदेश नेतृत्व ने घोषणा की थी कि किसी भी विधायक या सांसद के परिजनों को उम्मीदवार नहीं बनाया जाएगा, जिसका उदाहरण नासिक में देखने को मिला। लेकिन भिवंडी में इस नियम की धज्जियां उड़ाई गई हैं। भिवंडी के भाजपा विधायक महेश चौघुले के पुत्र मित चौघुले को पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है। इसे लेकर आम नागरिकों और निष्ठावान कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी है। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि राज्य नेतृत्व के फैसलों को ताक पर रखकर भिवंडी में परिवारवाद को बढ़ावा दिया गया है विधायक पुत्र के अलावा, भाजपा ने कई पूर्व नगरसेवकों की पत्नियों, पुत्रों, भाइयों और भतीजों को चुनावी मैदान में उतारा है।

शिवसेना (शिंदे) ने 81 उम्मीदवार उतारकर भाजपा को ललकारा

भाजपा-शिंदे गुट में वार-पलटवार

अबकी बार धुंआधार: प्रताप सरनाईक
हम भी हैं तैयार: नरेंद्र मेहता

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा भाईंदर नगर निगम चुनाव में शिवसेना (शिंदे) ने 81 उम्मीदवारों को चुनावी समर में उतारकर भाजपा को सीधी चुनौती दी है। चुनाव के इस रण में अब शिवसेना (शिंदे) और भाजपा के बीच वर्चस्व की जंग होना तय है। प्रताप सरनाईक ने आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि हम 50 से अधिक सीटें जीतकर विधायक नरेंद्र मेहता को मुँहतोड़ जवाब देंगे और उनके '70 पार' के सपने को ध्वस्त कर देंगे। उन्होंने आगे कहा कि 2019 के विधानसभा चुनाव में जिस तरह विधायक नरेंद्र मेहता को करारी हार मिली थी, इस बार मनपा चुनाव में शहर की जनता उसी हार को एक बार फिर उन्हें तोहफे में देगी।

भीतरघात और नई युति की चुनौती

राजनीतिक जानकारों के अनुसार, शिवसेना (यूबीटी) और मनसे का गठबंधन शिवसेना (शिंदे) के लिए चुनौती बन सकता है। वहीं, भाजपा ने भी अपने 20 पूर्व पार्षदों के टिकट काट दिए हैं, जिससे संभावित भीतरघात से निपटना उनके लिए भी बड़ी सिरदर्द साबित हो सकता है।

बड़बोलापन ले डूबा युति को

भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष रणवीर वाजपेयी के अनुसार, युति टूटने का ठीकरा भाजपा पर फोड़ने वाले प्रताप सरनाईक यदि अपने कुछ नए शिवसैनिकों के बड़बोलेपन पर अंकुश लगाते, तो शायद आज महायुति कायम रहती। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर के विकास में शून्य योगदान देने वाले कुछ स्वार्थी नेताओं ने भाजपा नेतृत्व पर बेबुनियाद आरोप लगाकर युति धर्म को नुकसान पहुँचाया है।

16 जनवरी को 'जो जीता वही सिकंदर'

गौरतलब है कि प्रभाग क्रमांक 3, 10, 11, 12, 13, 15 और 16 में भाजपा और शिवसेना के बीच कड़ा मुकाबला होना तय है। दोनों पक्ष आमने-सामने हैं; अब यह देखना दिलचस्प होगा कि ऊँट किस करवट बैठता है।

उत्तर भारतीय मतदाता होंगे निर्णायक

शिवसेना (शिंदे) ने 15 उत्तर भारतीयों को टिकट देकर शहर के उत्तर भारतीय मतदाताओं को अपने पाले में लाने का दांव खेला है। वहीं, उत्तर भारतीय समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व और भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुरेश सिंह ने विश्वास जताते हुए कहा कि रअबकी बार 70 पारर हमारा केवल सपना नहीं बल्कि संकल्प है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पिछले चुनाव से अधिक सीटें देकर उत्तर भारतीय समाज का सम्मान किया है और हम इस भरोसे को टूटने नहीं देंगे। पूरा उत्तर भारतीय समाज भाजपा के साथ मजबूती से खड़ा है।

जेएनपीटी-वैतरणा खंड का रेल कार निरीक्षण संपन्न

102 किलोमीटर लंबे ट्रैक पर पहली बार दौड़ी रेलगाड़ी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (DFCCIL) के प्रबंध निदेशक प्रवीण कुमार ने वैतरणा से जेएनपीटी तक लगभग 102 किलोमीटर लंबे खंड का सफलतापूर्वक रेल कार निरीक्षण संपन्न किया। यह ऐतिहासिक अवसर पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (WDFC) के इस नवनिर्मित ट्रैक पर पहली बार किसी रेलगाड़ी की आवाजाही को दर्शाता है। मुंबई इकाई के अधिकार क्षेत्र में आने वाला यह खंड भारत के औद्योगिक भीतरी क्षेत्रों और जेएनपीटी बंदरगाह के बीच माल ढुलाई के संपर्क को नई गति देगा। यह उपलब्धि विश्व स्तरीय लॉजिस्टिक अवसंरचना विकसित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम मानी जा रही है।

विद्युतीकरण का कार्य अंतिम चरण में, जल्द ही पूर्ण परिचालन की तैयारी

परियोजना की प्रगति के अनुसार, वैतरणा से न्यू खरबाओ तक का 30 किलोमीटर का हिस्सा पूरी तरह विद्युतीकृत हो चुका है, जिस पर 30 नवंबर 2025 को इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव का सफल परीक्षण किया गया था। शेष खंड पर सिग्नलिंग और विद्युतीकरण का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है और इसके जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। निरीक्षण के दौरान निदेशक अनुराग शर्मा, कार्यकारी निदेशक संदेश श्रीवास्तव और मुख्य महाप्रबंधक विकास कुमार सहित टाटा प्रोजेक्ट्स, एल एंड टी और केपीआईएल जैसी कार्यान्वयन एजेंसियों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

ठाणे मनपा चुनाव

2013 पोलिंग बूथों की योजना तैयार

आयुक्त ने जारी की विस्तृत सूची

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे नगर निगम (मनपा) आम चुनाव 2025-26 के लिए अब केवल दो सप्ताह का समय शेष है। इसे देखते हुए चुनाव प्रशासन ने अपनी कमर कस ली है। नगर निगम आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव ने जानकारी दी कि शहर के 33 मतदान केंद्रों के अंतर्गत कुल 2013 पोलिंग बूथ सक्रिय किए जाएंगे। प्रशासन ने फ्लोर-वाइज़ और बूथ-वाइज़ विस्तृत डेटा जारी कर दिया है। प्रभाग समितियों के आधार पर, सबसे अधिक 269 बूथ मुंब्रा में और 266 माजीवाड़ा-मानपाड़ा प्रभाग में होंगे, जबकि उथलसर में सबसे कम 158 बूथ बनाए गए हैं। अन्य प्रभागों जैसे कलवा (263), दिवा (255) और लोकमान्यनगर (242) में भी व्यापक व्यवस्था की गई है।

भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष निर्देश

चुनाव कार्य में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को केंद्रों के लेआउट और सुरक्षा प्रोटोकॉल का गहन प्रशिक्षण दिया गया है। प्रत्येक बूथ पर प्रवेश और निकास के अलग द्वार, सीसीटीवी निगरानी और ईवीएम-बैलेट यूनिट की सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे। मतदान के दिन किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचने के लिए जल्द ही मॉक ड्रिल और प्रारंभिक निरीक्षण आयोजित किया जाएगा। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य भीड़ को नियंत्रित करना और समय सीमा के भीतर शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराना है।

बुनियादी ढांचे का नियोजन

मतदान प्रक्रिया को सुगम और पारदर्शी बनाने के लिए बूथों के डिजाइन पर विशेष ध्यान दिया गया है। कुल बूथों में से 1207 बूथ ग्राउंड फ्लोर पर बनाए गए हैं, ताकि वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों और गर्भवती महिलाओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके अलावा 403 बूथ पवेलियन में, 361 पार्टीशन फॉर्म में और मात्र 42 बूथ पहली मंजिल पर रखे गए हैं। आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी केंद्रों पर रैम्प, रेलिंग, व्हीलचेयर, पीने का पानी, छाया और प्राथमिक चिकित्सा जैसी अनिवार्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

ठाणे मनपा चुनाव

प्रशिक्षण से गायब कर्मचारियों पर गिरेगी गाज

आयुक्त ने दिए आपराधिक मामला दर्ज करने के निर्देश
गैरहाजिरों को 'कारण बताओ नोटिस'

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे नगर निगम (मनपा) के 15 जनवरी 2026 को होने वाले आम चुनाव के मद्देनजर, चुनाव ड्यूटी में नियुक्त उन अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है जो प्रशिक्षण सत्रों से अनुपस्थित रहे। आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव ने स्पष्ट किया है कि प्रशिक्षण से गायब रहने वाले कर्मचारियों को 'कारण बताओ नोटिस' जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। नोटिस का संतोषजनक जवाब न देने पर संबंधितों के खिलाफ न केवल अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी, बल्कि चुनाव कानून के उल्लंघन के तहत आपराधिक मामला (क्रिमिनल केस) भी दर्ज किया जाएगा।

प्रशिक्षण की अनिवार्यता

चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी, भयमुक्त और नियमानुसार संपन्न कराने के लिए कर्मचारियों का प्रशिक्षण अनिवार्य है। इसके पहले चरण का आयोजन 27, 28 और 29 दिसंबर को राम गणेश गडकरी रंगायतन और डॉ. काशीनाथ घानेकर नाट्यगृह में किया गया था। प्रशासन ने पाया कि कई कर्मचारी इन सत्रों से अनुपस्थित थे, जिसे लोकतंत्र की प्रक्रिया में बाधा माना गया है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे बिना किसी वैध कारण के दूसरे सत्र से अनुपस्थित न रहें, अन्यथा भारतीय दंड संहिता (IPC) और चुनाव अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अगले सत्र की तैयारी

प्रशासन ने नोटिस पाने वाले सभी कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि वे तत्काल ठाणे मनपा की पहली मंजिल पर स्थित इलेक्शन एस्टैब्लिशमेंट डिपार्टमेंट (चुनाव स्थापना विभाग) से संपर्क करें। अनुपस्थित कर्मचारियों को वहां से अगले प्रशिक्षण सत्र के आदेश प्राप्त करने होंगे। आयुक्त ने दोहराया कि चुनाव ड्यूटी में लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी नियुक्त अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करना होगा।

रिश्तेदार युवती से दो युवकों ने 7 साल तक किया दुष्कर्म

दो के खिलाफ मामला दर्ज, आरोपी फरार

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ शिक्षा के बहाने बुलाई गई एक नाबालिग लड़की के साथ उसके दो रिश्तेदारों ने सात साल तक कुकर्म किया। पीड़िता को 2018 में दिल्ली के नजफगढ़ से उसके रिश्तेदार सुदीप उपाध्याय ने बेहतर शिक्षा दिलाने के नाम पर भिवंडी लाया था। लेकिन शिक्षा की आड़ में आरोपी सुदीप और संदीप उपाध्याय ने उसे अपनी हवस का शिकार बनाया और लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया।

ब्लैकमेलिंग और निरंतर शोषण का सिलसिला

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, शोषण की शुरुआत तब हुई जब सुदीप के गाँव जाने पर आरोपी संदीप ने लड़की के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने जब इसकी जानकारी सुदीप को दी, तो मदद करने के बजाय सुदीप ने उसे समाज में बदनाम करने की धमकी दी और खुद भी उसके साथ बार-बार कुकर्म किया। यह सिलसिला 2018 से लेकर अगस्त 2025 तक चलता रहा। आरोपियों की प्रताड़ना से तंग आकर अंततः पीड़िता ने दिल्ली के बाबा हरिदास नगर पुलिस स्टेशन में अपनी शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस कार्रवाई और आरोपियों की तलाश

मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने 'जीरो एफआईआर' दर्ज कर केस को भिवंडी के भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया है। भोईवाड़ा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पोक्सो (POCSO) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। हालांकि, पुलिस की कार्रवाई की भनक लगते ही आरोपी सुदीप और संदीप उपाध्याय फरार हो गए हैं। पुलिस की विशेष टीमें दोनों आरोपियों की तलाश में जुटी हुई हैं और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी का दावा कर रही हैं।

'हम वोट नहीं दे सकते, पर आप दें'

छात्रों ने जगाई मतदान की अलख

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे नगर निगम (TMC) के आगामी आम चुनाव 2025-26 को देखते हुए प्रशासन ने मतदाताओं को जागरूक करने के लिए सिस्टमैटिक मतदाता एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन (SVEEP) कार्यक्रम को गति दे दी है। नगर निगम के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित संभागीय खेल महोत्सव के दौरान स्कूली विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयुक्त के निर्देशानुसार, उपायुक्त मिताली संचेती और चुनाव निर्णय अधिकारी प्रज्ञा सावंत की पहल पर वीर सावरकर मैदान में इस अभियान को प्रभावी ढंग से लागू किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य खेल के माध्यम से छात्रों और उनके अभिभावकों तक लोकतंत्र का संदेश पहुँचाना था।

विद्यार्थियों की भावनात्मक अपील

बच्चों ने अपने अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों से अपील की कि वे मतदान के दिन (15 जनवरी) को महज छुट्टी न समझें, बल्कि घर से बाहर निकलकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। छात्रों के इन भावनात्मक संदेशों ने नागरिकों का ध्यान आकर्षित किया और ईमानदार व निडर मतदान का संदेश जन-जन तक पहुँचाया।

लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास और भविष्य की तैयारी

इस पहल के माध्यम से न केवल वर्तमान मतदाताओं को प्रेरित किया जा रहा है, बल्कि भावी पीढ़ी के मन में भी लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान जगाया जा रहा है। स्वीप टीम का मानना है कि छात्रों के माध्यम से दिया गया संदेश सीधा परिवारों के दिल तक पहुँचता है। 15 जनवरी, 2026 को होने वाले मतदान के लिए शहर में एक सकारात्मक माहौल तैयार किया जा रहा है, ताकि शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित किया जा सके और लोकतंत्र की नींव को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

मुख्य चुनाव निरीक्षक व निरीक्षक शहर में उपस्थित

ठाणे। राज्य चुनाव आयोग ने ठाणे मनपा आम चुनाव 2025-26 के लिए महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल, मुंबई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पी. वेलरासु (बी.पी.एस.) को मुख्य चुनाव निरीक्षक तथा सिंधुदुर्ग जिले की जाति सत्यापन समिति की अध्यक्ष समीक्षा चंद्राकर को चुनाव निरीक्षक नियुक्त किया है। दोनों अधिकारी 30 दिसंबर 2025 को ठाणे शहर पहुंचे। पी. वेलरासु का मोबाइल नंबर 9137449771 है, जिनके समन्वयक के रूप में ठाणे के उप अभियंता सुधीर गायकवाड़ (मो. 7039197131) को नियुक्त किया गया है। वहीं समीक्षा चंद्राकर का मोबाइल नंबर 8976312118 है और उनके कोऑर्डिनेटर के रूप में ठाणे मनपा के उप अभियंता प्रतीक पाटिल (मो. 9892845821) को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जमीन में निवेश के नाम पर 64 लाख रुपये की धोखाधड़ी

सात आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

जमीन में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने एक महिला सहित सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि जमीन में निवेश पर आकर्षक रिटर्न का वादा करके कई लोगों से 64 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई है। मुंबई के कांदिवली के 28 साल के एक व्यक्ति और अन्य अज्ञात पीड़ितों ने इसकी शिकायत की। इसके आधार पर ठाणे के वागले एस्टेट डिवीजन के कपूरबावड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज हुई। कपूरबावड़ी पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि सात आरोपियों की पहचान किसानराव राठौड़, मेनका राठौड़, युगंधर, संतोष पावस्कर, स्वप्निल बेगले, अविनाश नारकर और एक अन्य एजेंट के रूप में हुई है।

कैसे दिया धोखाधड़ी की घटना को अंजाम?

आरोपियों ने कथित तौर पर एक इन्वेस्टमेंट कंपनी के प्रतिनिधियों के रूप में काम किया और सितंबर 2023 में एक फर्जी स्कीम शुरू की। उन्होंने निवेशकों को अच्छा रिटर्न देने का वादा किया। निवेशकों को केवनी डाइव, कलहेर और भिवंडी जैसे इलाकों में प्लॉट देने का आश्वासन दिया। स्कीम को बढ़ावा देने के लिए विज्ञापन भी प्रकाशित किए गए थे। पैसे देने के बाद भी वादे के मुताबिक किसी को प्लॉट नहीं दिया गया। जब पीड़ितों ने जवाब मांगेने अपने पैसे वापस पाने के लिए आरोपियों से संपर्क किया तो उन्हें कथित तौर पर कोई जवाब नहीं मिला।। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) (धोखाधड़ी), 316(2) और 316(3) (आपराधिक विश्वासघात), और 3(5) (सामान्य इरादा) के साथ-साथ महाराष्ट्र प्रोटेक्शन ऑफ इंटरेस्ट ऑफ डिपॉजिटर्स (MPID) एक्ट के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मध्य रेल के पार्सल राजस्व में 37% का भारी उछाल

183.80 करोड़ रुपए की कमाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मध्य रेल ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान (नवंबर 2025 तक) पार्सल परिवहन में शानदार प्रदर्शन करते हुए 183.80 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया है। यह पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 133.70 करोड़ रुपए के मुकाबले 37% से अधिक की वृद्धि है। इस सफलता में मुंबई मंडल ने 136.20 करोड़ रुपए की आय के साथ अपना दबदबा बनाए रखा, जबकि भुसावल मंडल ने 93% की असाधारण विकास दर दर्ज की। अन्य प्रमुख योगदानकर्ताओं में पुणे (20.20 करोड़), नागपुर (7.60 करोड़) और सोलापुर (2.60 करोड़) मंडल शामिल रहे, जिन्होंने रेलवे की इस वित्तीय उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नवाचार और नए बाजारों की ओर विस्तार

पार्सल क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए रेलवे ने रेशम ककून जैसे नए कार्गो के परिवहन की शुरुआत की है। अपनी तरह की पहली पहल के तहत, नवंबर 2025 में सोलापुर और पंढरपुर से एशिया के सबसे बड़े रेशम ककून बाजार, रामनगरम (कर्नाटक) तक सीधी सेवा शुरू की गई, जिसके तहत अब तक लगभग 14,939 किलोग्राम ककून पहुँचाया जा चुका है। गहन विपणन रणनीतियों और पार्सल ट्रेनों की समयबद्ध 143 ट्रिप के कारण ही मध्य रेल अपने राजस्व लक्ष्यों को पार करने में सफल रहा है।

शेतकरी समृद्धि स्पेशल से कृषि रसद को मिला बढ़ावा

ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों को सीधे बड़े बाजारों से जोड़ने के लिए मध्य रेल ने 'शेतकरी समृद्धि स्पेशल' ट्रेनों के माध्यम से ठोस कदम उठाए हैं। देवलाली (महाराष्ट्र) से दानापुर (बिहार) के बीच संचालित इन ट्रेनों ने अब तक 63 ट्रिप पूरी की हैं, जिनमें 9,044 टन से अधिक कृषि उत्पादों का परिवहन किया गया। इस पहल से न केवल 3.24 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ, बल्कि कम खर्च में खराब होने वाली वस्तुओं को बिहार के बाजारों तक पहुँचाना संभव हुआ। यह सेवा ताजे उत्पादों के सुचारू परिवहन और कृषि लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने के लिए मील का पत्थर साबित हो रही है।

वसई विरार मनपा चुनाव

मुख्य चुनाव निरीक्षक ने तैयारियों का लिया जायजा

ओपी यादव । वसई

राज्य चुनाव आयोग के निर्देशानुसार वसई विरार शहर महानगरपालिका आम चुनाव 2026 का कार्यक्रम घोषित हो चुका है, जिसके तहत 15 जनवरी 2026 को मतदान होना है। इस चुनावी प्रक्रिया की तैयारियों का निरीक्षण करने के लिए मुख्य चुनाव निरीक्षक प्रदीप पी. (IAS) ने 31 दिसंबर 2025 को महानगरपालिका का दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ चुनाव निरीक्षक उपेंद्र तामोरे भी उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशासन द्वारा अब तक की गई तैयारियों की बारीकी से समीक्षा की। महानगरपालिका मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान आयुक्त एवं मुख्य चुनाव अधिकारी मनोजकुमार सूर्यवंशी (IAS) ने एक पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से अब तक की प्रगति रिपोर्ट पेश की। इसमें प्रभाग रचना, वार्ड संख्या, मतदाता सूची, चुनाव निर्णय अधिकारी कार्यालय, मतदान केंद्रों पर की गई व्यवस्था, वाहन प्रबंधन और नियुक्त कर्मचारियों के प्रशिक्षण की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, ईवीएम मशीनों की उपलब्धता, आदर्श आचार संहिता के पालन के लिए गठित विभिन्न टीमों और मतदाता जागरूकता अभियानों पर भी चर्चा की गई।

एनसीपी नेता धनंजय मुंडे को राहत

पहली पत्नी होने का दावा करने वाली महिला की याचिका खारिज

डीबीडी संवाददाता | बीड

जिले के न्यायालय ने बुधवार को पूर्व राज्य मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता धनंजय मुंडे को बड़ी राहत दी है। न्यायालय ने नेता के खिलाफ उनकी पहली पत्नी होने का दावा करने वाली एक महिला की याचिका खारिज कर दी। महिला ने आरोप लगाया था कि मुंडे ने 2024 के चुनावी नामांकन पत्रों में आवश्यक जानकारी छिपाई है।

कोर्ट ने क्या सुनाया फैसला?

मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट (परली वैजनाथ) दीपक बोरडे ने फैसला सुनाया कि शिकायतकर्ता करुणा मुंडे आरोपी के खिलाफ प्रथम दृष्टया में कोई मामला साबित नहीं कर पाई हैं। न्यायालय ने यह भी कहा कि तथ्यों को चुनाव जीतने के उद्देश्य से नहीं छिपाया गया था। अदालत ने कहा, 'ऐसा लगता है कि शिकायतकर्ता की ओर से बताए गए तथ्यों को छिपाने से उनकी चुनावी जीत पर कोई असर नहीं पड़ा है। इसलिए ऐसे तथ्य को न बताने का मकसद चुनाव में जीतने का नहीं लगता।'

कोर्ट ने क्या कहा?

महिला के मामले में कई विसंगतियों को उजागर करते हुए, न्यायालय ने बताया कि शिकायत में 1996 के विवाह का उल्लेख है, जबकि उनके सत्यापन बयान में तिथि 1 सितंबर, 1998 बताई गई है। न्यायालय ने कहा कि शिकायतकर्ता ने विवाह का कोई कानूनी दस्तावेज जैसे पंजीकरण प्रमाण पत्र या अन्य साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए हैं, जो यह सिद्ध करें कि वह परली विधायक की पहली कानूनी रूप से विवाहित पत्नी हैं।

एनसीपी नेता के वकील ने क्या कहा?

दूसरी ओर, एनसीपी नेता ने न्यायालय में कहा कि उनका संबंध आपसी सहमति से था, जिससे दो बच्चे हुए। पूर्व मंत्री ने बच्चों के दस्तावेजों में केवल अपना नाम और उपनाम प्रयोग करने की अनुमति दी थी। धनंजय मुंडे के अधिवक्ता बी. कावड़े ने तर्क दिया कि शिकायतकर्ता को पूरी जानकारी थी कि एनसीपी विधायक पहले से शादीशुदा हैं, फिर भी उन्होंने स्वेच्छा से रिश्ता बनाया, जो नवंबर 2020 में खत्म हो गया।

क्या था मामला?

मामले में करुणा मुंडे ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत अदालत का रुख किया था। उन्होंने खुद को एनसीपी नेता की पहली कानूनी रूप से विवाहित पत्नी बताया था। उनकी मुख्य शिकायत थी कि पहली पत्नी होने के बावजूद, नवंबर 2024 में जब धनंजय मुंडे ने बीड जिले के परली से विधानसभा चुनाव लड़ा, तो नामांकन पत्रों में उनका नाम शामिल नहीं था।

बीएमसी आयुक्त के कोर्ट कर्मियों की चुनावी ड्यूटी लगाने से हाईकोर्ट नाराज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बीएमसी कमिश्नर द्वारा जारी उस चिट्ठी पर रोक लगा दी है, जिसमें कमिश्नर ने निचली अदालत के कर्मचारियों को भी चुनाव ड्यूटी के लिए रिपोर्ट करने का निर्देश दिया था। उच्च न्यायालय ने बीएमसी कमिश्नर के अदालत कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी पर बुलाने के अधिकार पर भी सवाल उठाया है।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस चंद्रशेखर और जस्टिस अश्विन भोबे की पीठ ने मंगलवार रात को मुख्य न्यायाधीश के आवास पर हुई विशेष सुनवाई के दौरान कहा कि बीएमसी कमिश्नर, जो जिला चुनाव अधिकारी के तौर पर भी काम कर रहे हैं, उन्हें हाईकोर्ट

या निचली अदालत के स्टाफ को चुनाव ड्यूटी के लिए उनकी सेवाओं की मांग करते हुए कोई भी पत्र या संचार का अन्य कोई भी माध्यम जारी करने से रोका जाता है। पीठ ने कहा, हाईकोर्ट की प्रशासनिक समिति ने सितंबर 2008 में फैसला किया था कि हाईकोर्ट और निचली अदालत के स्टाफ को चुनाव ड्यूटी से छूट दी जाएगी। उच्च न्यायालय ने बीएमसी कमिश्नर के पत्र पर स्वतः संज्ञान लेकर यह सुनवाई की।

अनुरोध के बावजूद बीएमसी कमिश्नर नहीं माने

गौरतलब है कि जिस दिन बीएमसी कमिश्नर ने चिट्ठी जारी की, उसी दिन चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने बीएमसी कमिश्नर और मुंबई के कलेक्टर को सूचित किया कि हाईकोर्ट के निचली अदालतों के स्टाफ के बारे में लिए गए एक प्रशासनिक फैसले के तहत, कोर्ट स्टाफ को चुनाव ड्यूटी से छूट देने का अनुरोध किया गया है। इसके बावजूद बीएमसी कमिश्नर ने 29 दिसंबर को निचली अदालत के स्टाफ को चुनाव ड्यूटी से छूट देने का अनुरोध अस्वीकार कर दिया।

हाईकोर्ट ने कमिश्नर से मांगा हलफनामा

सुनवाई के दौरान बीएमसी की तरफ से पेश वकील कोमल पंजाबी ने कमिश्नर द्वारा जारी पत्र को वापस लेने की मांग की, लेकिन उच्च न्यायालय ने अनुरोध अस्वीकार कर दिया। हाईकोर्ट ने बीएमसी कमिश्नर को एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है, जिसमें उन शक्तियों का उल्लेख करने को कहा गया है, जिनके तहत कमिश्नर ने अदालत के स्टाफ को चुनाव ड्यूटी के लिए रिपोर्ट करने का निर्देश दिया। साथ ही पीठ ने चुनाव आयोग, राज्य चुनाव आयोग और महाराष्ट्र सरकार को भी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है।

राउत के घर के बाहर खड़ी कार में लिखी मिली बम की धमकी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के घर के बाहर खड़ी कार पर बम धमाके की धमकी मिलने से बुधवार को हड़कंप मच गया। कार की धूल पर लिखा था कि रात 12 बजे धमाका होगा। सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच गया और जांच शुरू कर दी गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि भांडुप इलाके में राउत के आवास की तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया। अधिकारी के मुताबिक, वैगनआर कार की खिड़की पर जमी धूल पर लिखा एक संदेश मिला कि आज होगा हंगामा, 12 बजे बम ब्लास्ट। राज्यसभा सदस्य राउत के समर्थकों ने तुरंत पुलिस को बम की धमकी वाले संदेश के बारे में सूचना दी। बाद में बम निरोधक दस्ते के कर्मी मौके पर पहुंचे और राउत के बंगले की अच्छी तरह से जांच की लेकिन उन्हें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

जे. जे. हॉस्पिटल के जूनियर डॉक्टरों को राहत

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने अव्यवस्था के चलते इस्तीफा देने वाले जे. जे. हॉस्पिटल के दो जूनियर डॉक्टरों के ओरिजिनल डॉक्यूमेंट्स लौटाने का निर्देश दिया है। हालांकि अदालत ने शर्त के तौर पर दोनों डॉक्टरों से 20 लाख रुपये का बॉन्ड जमा कराने को कहा है। दोनों डॉक्टर जून और अगस्त के बीच एमसीएच न्यूरो सर्जरी के लिए जे. जे. हॉस्पिटल में जूनियर डॉक्टर के रूप में शामिल हुए थे। नवी मुंबई के डॉ. स्वप्निल कोलापे और लखनऊ की डॉ. पूजा मोडनवाल की याचिका पर न्यायमूर्ति अश्विन भोबे की अवकाशकालीन

ओरिजिनल डॉक्यूमेंट्स लौटाने का निर्देश

एकल पीठ ने सुनवाई की। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील आदित्य सांघी ने पक्ष रखा। वहीं अतिरिक्त सरकारी वकील जयमाला ओस्तवाल ने कहा कि यदि डॉक्टर तय फॉर्मेट में अंडरटेकिंग देने को तैयार हों, तो अंतिम आदेश के अधीन डॉक्यूमेंट्स जारी करने पर विचार किया जा सकता है।

हॉस्टल की दयनीय हालत का हवाला

याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि उन्हें 2025 में सर जे. जे. हॉस्पिटल में जूनियर डॉक्टर के रूप में एडमिशन मिला था और ग्रांट मेडिकल कॉलेज में न्यूरो सर्जरी की सुपर-स्पेशियलिटी सीट आवंटित की गई थी। लेकिन हॉस्टल की बेहद खराब स्थिति, एक कमरे में पांच छात्रों को ठहराने और महिला डॉक्टरों के लिए प्राइवेसी न होने के कारण उन्होंने 17 नवंबर 2025 को इस्तीफा दे दिया और ओरिजिनल डॉक्यूमेंट्स वापस मांगे।

बॉन्ड नियम और नीट परीक्षा की मजबूरी

कॉलेज प्रशासन ने जूनियर रेजिडेंसी पूरी न करने पर बॉन्ड और पेनल्टी के नियमों का हवाला देते हुए 20 लाख रुपये की मांग की। याचिकाकर्ताओं ने अदालत को बताया कि उन्हें अगले नीट परीक्षा के लिए डॉक्यूमेंट्स की तत्काल जरूरत है। डॉ. पूजा मोडनवाल ने कहा कि उन्होंने एम्स नई दिल्ली की प्रवेश परीक्षा पास कर जनरल कैटेगरी में 20वीं रैंक हासिल की है, लेकिन समय पर ओरिजिनल डॉक्यूमेंट्स जमा किए बिना उन्हें वहां एडमिशन नहीं मिल पाएगा।

ठाकरे बंधु, पवार चाचा-भतीजा के बाद आंबेडकर बंधु भी होंगे एकजुट!

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की सियासत में इन दिनों रिश्तों की बर्फ पिघलती नजर आ रही है। ठाकरे बंधुओं और पवार परिवार के पुनर्मिलन की चर्चाओं के बीच अब आंबेडकर भाइयों के भी साथ आने की संभावना प्रबल हो गई है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर आनंदराज आंबेडकर ने सकारात्मक संकेत देते हुए कहा कि आंबेडकरी आंदोलन को मजबूती देने के लिए भविष्य में दोनों भाई एकजुट हो सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस तरह ठाकरे भाइयों ने हाथ मिलाया है, वैसी ही स्थिति उनके यहाँ भी बन सकती है और यदि इसके लिए कोई गंभीर प्रयास होता है, तो उनकी ओर से सकारात्मक प्रतिसाद मिलना तय है।

एक ओर जहाँ आनंदराज आंबेडकर ने भाई के साथ आने की बात कही, वहीं उद्धव और राज ठाकरे के गठबंधन पर तीखा

कटाक्ष भी किया। उन्होंने कहा कि ठाकरे बंधुओं के एक होने से मुंबई की राजनीति में कोई बड़ा चमत्कार नहीं होने वाला। आनंदराज ने आरोप लगाया कि पिछले 25 वर्षों के शासन में मुंबई से मराठी मानुस को पलायन करने पर मजबूर होना पड़ा। उनके अनुसार, यह गठबंधन केवल 'अंधभक्तों' को प्रभावित कर सकता है, लेकिन आम मराठी जनता इससे प्रभावित नहीं होगी। उन्होंने जोर दिया कि असली मुद्दा योग्य व्यक्ति को महापौर बनाने का होना चाहिए, न कि धर्म या जाति के नाम पर राजनीति का।

गठबंधन और आठवले पर साधा निशाना

वर्तमान राजनीतिक समीकरणों पर चर्चा करते हुए आनंदराज आंबेडकर ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ अपने गठबंधन पर गहरा असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गठबंधन में उनकी मांग के अनुसार महत्वपूर्ण सीटें नहीं दी गईं, जिससे कार्यकर्ताओं के बीच भारी नाराजगी है। इसी बीच उन्होंने केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले को भी नसीहत देते हुए कहा कि केवल सत्ता में बने रहना राजनीति का उद्देश्य नहीं होना चाहिए, बल्कि जमीनी स्तर पर काम करना अधिक आवश्यक है। इन बयानों के बाद अब यह देखना दिलचस्प होगा कि नए साल में महाराष्ट्र की राजनीति में कौन सा नया समीकरण आकार लेता है।

निकाय चुनाव में एमवीए को मिली मदद

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की स्वाभिमानी पार्टी ने आगामी निकाय चुनाव में महाविकास अघाड़ी (एमवीए) को समर्थन देने का एलान किया है। स्वाभिमानी पार्टी ने कहा कि महाविकास अघाड़ी गठबंधन ही महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहा है। कांग्रेस के विधान परिषद के नेता सतेज पाटिल को लिखे पत्र में स्वाभिमानी पार्टी के नेता और पूर्व सांसद राजू शेट्टी ने कहा कि निकाय चुनाव ऐसे समय लड़े जा रहे हैं, जब शहरी

स्वाभिमानी पार्टी ने समर्थन देने का किया एलान

नागरिक बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और प्रशासन की नाकामी के चलते भारी परेशानी झेल रहे हैं।

सत्ताधारी पार्टियां मनमानी कर रहीं : शेट्टी

शेट्टी ने सत्ताधारी पार्टियों पर विकास के नाम पर भ्रष्टाचार और मनमाने तरीके से प्रशासन करने का आरोप लगाया। पत्र में शेट्टी ने लिखा कि इसके परिणामस्वरूप गरीब और आम नागरिक परेशान हैं। महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) शामिल हैं, जबकि सत्ताधारी गठबंधन महायुति में भाजपा, शिवसेना और एनसीपी साझेदार हैं। राजू शेट्टी ने कहा कि एमवीए के उम्मीदवार जनता के मुद्दों पर आवाज उठाने और शहरी निवासियों के हितों की रक्षा के लिए मैदान में हैं। पत्र में कहा गया है, 'इसे देखते हुए, स्वाभिमानी पार्टी ने राज्य भर में नगर निगम चुनावों में महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवारों को अपना समर्थन देने का फैसला किया है।'

सिद्धिविनायक मंदिर प्रशासन नव वर्ष की तैयारियों में जुटा

- 1 जनवरी को विशेष दर्शन और निशुल्क सुविधाओं की घोषणा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ने नए साल 2026 के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए खास दर्शन समय और सुरक्षा इंतजामों की घोषणा की है। भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर के द्वार सामान्य दिनों से पहले खोले जाएंगे। मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, 1 जनवरी 2026 को मुख दर्शन और श्री दर्शन सुबह 3:15 बजे से शुरू होंगे। इसका उद्देश्य तड़के से उमड़ने वाली भीड़ को व्यवस्थित तरीके से दर्शन कराना है।

सुबह की आरती का समय 5:00 AM से 5:30 AM तक तय किया गया है। इस दौरान कुछ समय के लिए दर्शन सीमित रह सकते हैं। इसके बाद मंदिर पूरे दिन खुला रहेगा और रात में शेज आरती के बाद ही बंद होगा। साल 2026 में न्यू ईयर डे गुरुवार को पड़ रहा है, इसलिए महाराष्ट्र और आसपास के राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसे देखते हुए श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट ने पहले से विशेष तैयारी की है।

पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय

भीड़ नियंत्रण के लिए मंदिर परिसर और प्रभादेवी इलाके में मुंबई पुलिस के साथ मिलकर अतिरिक्त निजी सुरक्षा गार्ड तैनात किए जाएंगे। सड़कों पर बैरिकेडिंग कर यातायात को नियंत्रित किया जाएगा।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग कतार

मंदिर प्रशासन ने वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग भक्तों के लिए अलग कतारों की व्यवस्था की है, ताकि वे बिना परेशानी दर्शन कर सकें। श्रद्धालुओं से बड़े बैग और प्रतिबंधित वस्तुएं न लाने की अपील की गई है। पेड दर्शन / VIP दर्शन को भीड़ के अनुसार नियंत्रित किया जाएगा। मंदिर के आसपास पार्किंग बेहद सीमित रहेगी, इसलिए भक्तों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करने की सलाह दी गई है। जो श्रद्धालु मंदिर नहीं पहुंच सकते, उनके लिए लाइव दर्शन की सुविधा मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर उपलब्ध रहेगी।

आस्था और व्यवस्था का संतुलन

भगवान गणेश को समर्पित सिद्धिविनायक मंदिर हर साल नए साल और गणेश चतुर्थी जैसे अवसरों पर श्रद्धा का केंद्र बनता है। साल 2026 के लिए की गई ये व्यवस्थाएं श्रद्धालुओं की आस्था बनाए रखते हुए भीड़ प्रबंधन को आधुनिक बनाने की दिशा में एक और कदम मानी जा रही हैं।

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड

निविदा हेतु आमंत्रण - MRVC-W-143

(एक चरण एक लिफाफा ई-प्रोक्योरमेंट निविदा प्रक्रिया)

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लि., कॉर्पोरेट कार्यालय, दूसरी मंजिल, चर्चगेट स्टेशन भवन, मुंबई-400020 द्वारा, **"प्रस्तावित चिखले स्टेशन पर पनवेल – कर्जत सबअर्बन कॉरिडोर (रेलवे CH नंबर 3400 – 3550 KM) के रेल मार्ग को प्रभावित करने वाले मौजूदा 220 kV D/C आष्टा-PG सर्किट-I और II को लोकेशन नंबर 608 और 611 के बीच शिफ्ट करने/री-रूट करने का काम"** हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के विवरण तथा निविदा दस्तावेज आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं। वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर परिपूर्ण ई-निविदा जमा करने की **अंतिम तिथि 02.02.2026, दोपहर 15:00 बजे तक** है। **शुद्धिपत्र, यदि कोई हो, केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जायेगा।**

पश्चिम रेलवे

विभिन्न पुलों के अनुरक्षण एवं मरम्मत कार्य

उप मुख्य अभियंता (पुल–लाइन), पश्चिम रेलवे, दादर **ई-निविदा सूचना सं.: DYCE-BR-DDR-2025-17 दिनांक: 29.12.2025 आमंत्रित की जाती है। कार्य का नाम:** 'जोन–I, वर्ष 2025–26 के लिए मुंबई मंडल के अंतर्गत SSE/Br/भायंदर के अधिकार क्षेत्र में आने वाले विभिन्न पुलों का अनुसूचित अनुरक्षण एवं लघु मरम्मत कार्य।' **कार्य की अनुमानित लागत:** 53,99,744.29 **ईएमडी (जमानत राशि):** 1,08,000/-, **ई-निविदा ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 29.01.2026 को 15:00 बजे तक **ई-निविदा ऑनलाइन खोलने की तिथि एवं समय:** 29.01.2026 को 15:30 बजे, अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 0954

लाइक करें : facebook.com/WesternRly

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड.

दूसरी मंजिल, चर्चगेट स्टेशन बिल्डिंग, मुंबई–400020.

रिक्ति अधिसूचना सं.: एमआरवीसी / ई / डीडीई / 19 / 2025 दिनांक 30.12.2025

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा **"ड्रॉइंग एवं डिजाइन इंजीनियर (एस एंड टी)"** के IDA E1 स्केल में 01 पद को संविदा आधार पर भरने हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। मेल द्वारा आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि **29.01.2026** तक है। अधिक जानकारी वेबसाइट **https://mrvc.indianrailways.gov.in** पर प्राप्त की जा सकती है। **शुद्धिपत्र, यदि कोई है, केवल वेबसाइट पर पोस्ट किया जाएगा।**

पश्चिम रेलवे दो जोड़ी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ाएगा

ट्रेन नंबर	कहां से	कहां तक	चलने का दिन	कब तक बढ़ाया गया
04828	बांद्रा टर्मिनस	भगत की कोठी	रविवार	01.02.2026
04827	भगत की कोठी	बांद्रा टर्मिनस	शनिवार	31.01.2026
09622	बांद्रा टर्मिनस	अजमेर	सोमवार	26.01.2026
09621	अजमेर	बांद्रा टर्मिनस	रविवार	25.01.2026

ठहराव के समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं।

ट्रेन नंबर 04828 और 09622 के बढ़ाए गए फेरे की बुकिंग 01.01.2026 से PRS काउंटर और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। ये ट्रेनें स्पेशल किराए पर स्पेशल ट्रेनों के रूप में चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly
Follow us on: Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए ओरिजिनल ID प्रूफ साथ रखें

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

जा.क्र. SRA/ARWs/ow/५४२४०/सन २०२५
सहकार कक्ष, झो.पु.प्रा., मुंबई
दिनांक : ३०.१२.२०२५

-: ऑनलाईन सोडत पध्दतीने सदनिका वाटपाची सुचना :-

(नियोजित) साईनाथ एसआरए सहकारी गृहनिर्माण संस्था, न.गु.क्र. ७२०/९/५, ७२०/८४ ते १६०, ७२५, ७२५/७ ते ७०, ७२८,७३२ (पै), ७३२/१ ते ८ (पै), ७३२/१२ (पै) ते ७३२/१५(पै), ७३७/८/१(पै) आणि ७३७/८/२ (पै), मौजे ओशिवरा, तालुका अंधेरी, विरा देसाई रोड, अंधेरी (प), मुंबई-४०००५३ या पुनर्वसन योजनेमधील पात्र झोपडीधारकांना पुनर्वसन इमारतीमधील एकुण २२८ निवासी सदनिकांचे सोडत पध्दतीने वितरण करण्यासाठी गा. सहाय्यक निबंधक, सहकारी संस्था (पूर्व व पश्चिम उपनगरे), मुंबई यांचेकडिल दिनांक ३०.१२.२०२५ रोजीचे पत्रान्वये माझी प्राधिकृत अधिकारी म्हणुन नियुक्ती करण्यात आलेली आहे.

त्यानुसार संस्थेच्या पुनर्वसन इमारतीमधील निवासी सदनिकांचे सोडत पध्दतीने वितरण मंगळवार दिनांक ०६.०१.२०२६ रोजी सकाळी ११.३० वाजता, स्थळ प्राधिकरणाच्या कार्यालयात ऑनलाईन पध्दतीने झूम ॲप (Zoom App) वर संगणीकृत प्रणालीव्दारे आयोजित केलेली आहे. सदर वाटपावेळी फक्त पात्र झोपडीधारकांनीच मुळ आधारकार्ड सह झूम ॲपवर उपस्थित राहावे.

-: सभेचा विषय :-

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरणाकडुन ऑनलाईन झूम ॲप (Zoom App) वर सोडत पध्दतीने पात्र झोपडीधारकांना पुनर्वसन इमारतीमधील २२८ निवासी सदनिकांचे वाटप करणे.

Meeting ID: 837 4825 4683
Passcode: 1234

ठिकाण : मुंबई
दिनांक : ३०.१२.२०२५

सही/-
(महेश नलावडे)
प्राधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी, (श्रेणी-२), झोपुप्रा, मुंबई.

प्रशासकीय इमारत, प्रा. अनंत काणेकर मार्ग, वांद्रे (पुर्व), मुंबई - ४०० ०५१.
दुरध्वनी क्र. ०२२ - २६५६५८००, २६५९०४०५/१८७९ फॅक्स - ९१-२२-२६५९०४५७,
ईमेल - info@sra.gov.in

वसई विरार शहर महानगरपालिका

मुख्य कार्यालय, विरार

विरार (प.), ता. वसई, जि. पालघर, पिन-४०१ ३०३.

दुरध्वनी : ०२५०-६६३०००० / २५२७१०८
टोल फ्री क्र. : १८००२३३४३५३
ई-मेल : vasaivirarcorporation@yahoo.com

जा.क्र : वविशम/मु.विद्युत/१२८५/२०२५
दिनांक : ३०/१२/२०२५

निविदा मागविण्याची सूचना (RFP) (द्वितीय मुदतवाढ)

(टेंडर आयडी क्र.- २०२५_VVCMC_१२५९७५६_१)

महानगरपालिका कार्यक्षेत्रातील रहदारी व वाहतुक नियंत्रण करणेकरिता एकत्रित कमान्ड अँन्ड कंट्रोल सेंटर (ICCC), CCTV यंत्रणा, ऑप्टीकल फायबर कम्युनिकेशन नेटवर्क (OFC), ट्रॅफिक सिग्नल कंट्रोल यंत्रणा (ATSC), प्रोजेक्टची रचना, विकास, व्यवस्थापन आणि अंमलबजावणी करिता प्रकल्प व्यवस्थापन सल्लागार (PMC) यांची नियुक्ती करणेकामी मागविणेंत आलेल्या स्वारस्य दर्शविणारे पत्राची (EoI) मुदत दि.०७/०१/२०२६ रोजी स. ११:०० वाजेपर्यंत वाढविण्यात आलेली आहे. सदर निविदा दि.०९/०१/२०२६ रोजी स.११:०० वाजता अथवा इतर सोयीच्या दिवशी उघडण्यात येईल. अधिक माहिती करीता विद्युत विभाग, मुख्यालय, विरार (प.) येथे संपर्क साधावा.

तरी, बदल झालेल्या तारखांची नोंद घ्यावी.

सही/-
(दिपक सावंत)
अतिरिक्त आयुक्त (उत्तर)
वसई-विरार शहर महानगरपालिका

संपादकीय

'राष्ट्रहित सर्वोपरि' के संकल्प के साथ करें अंग्रेजी नव वर्ष 2026 का स्वागत

देश व दुनिया में अंग्रेजी नव वर्ष 2026 के स्वागत की जबरदस्त धूम मची हुई है, इस धूम-धाम को हम लोगों का जोशो-खरोश और चार-चांद लगाने का काम कर रहा है। हम सभी लोग नयी उम्मीद, नयी उमंग, नये विचार, नये संकल्प के साथ अपने-अपने अंदाज व तौर-तरीकों से अंग्रेजी नव वर्ष 2026 का हर्षोल्लास से स्वागत कर रहे हैं। हम लोग आशा कर रहे हैं कि नव वर्ष में शक्तिशाली राष्ट्र के सपने को अमलीजामा पहनाने के लिए सरकार धरातल पर तेज़ी से काम करेंगी, लेकिन हम लोगों को यह भी ध्यान रखना चाहिए की यह कार्य हम देशवासियों के द्वारा राष्ट्रहित सर्वोपरि के संकल्प के बिना पूरा नहीं हो सकता है, हम जिस तरह से अपने हितों के प्रति जुनून के साथ समर्पित रहकर उनकी रक्षा करते हैं, उसी भाव से हमें नियम-कायदे-कानून में रहकर राष्ट्र के प्रति भी समर्पित भाव से रहना होगा, तब ही सशक्त विकसित भारत का निर्माण होगा। वैसे भी अब देश में हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 1 जनवरी को अंग्रेजी नव वर्ष की शुरुआत नये संकल्प के साथ पूरे हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से करते हैं। क्योंकि हम लोग मानते हैं कि पिछले वर्ष के दुख-दर्द भूलकर के खट्टी-मीठी यादों से सबक लेकर के अंग्रेजी नव वर्ष को पूरे हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाएं, हम सभी चाहते हैं कि इस नव वर्ष में हम अपने सभी सपनों को पूरा करें, अपनी व अपनों की झोलियों को खुशियों से भर देने का संकल्प लेकर उसके लिए तय रणनीति के अनुसार जीवन पथ पर कार्य करें। हम चाहते हैं कि बीते हुए समय पर विचार व आत्ममंथन करते हुए, नए लक्ष्य निर्धारित करते हुए, भविष्य में आने वाले जीवन को नयी दिशा देने वाले हर सकारात्मक अवसर को हर हाल में अपनाएं। हम लोग अपनी आकांक्षाओं, संकल्पों के साथ ही नव वर्ष के इस विशेष अवसर को विभिन्न तरीकों से मनाने का कार्य करते हैं। लेकिन उपरोक्त भावों में अगर हम लोग हर वर्ष राष्ट्रहित सर्वोपरि के संकल्प को भी जोड़ लें तो देशवासियों के जीवन में चार-चांद लग सकते हैं, हम जल्द ही अपने सपनों के विकसित भारत का निर्माण कर सकतें हैं। वैसे तो नव वर्ष पर दुनिया भर के लोग एक नए कैलेंडर वर्ष की शुरुआत का स्वागत करते हैं, लेकिन साथ ही हम लोग बीते हुए कल की कड़वी यादों से सीख लेकर के एक नई शुरुआत भी करने का सकारात्मक प्रयास करते हैं और उम्मीद करते हैं कि बीते हुए कल को पीछे छोड़कर के एक नए सिरे से जीवन शुरू करने के लिए सभी आवश्यक आत्म-सुधार के संकल्पों के साथ नव वर्ष का स्वागत करें, हमें यही सिद्धांत राष्ट्रहित की रक्षा के लिए भी लागू करने चाहिए, वैसे भी देखा जाए अंग्रेजी हो या हिन्दू नव वर्ष यह अवसर हम सभी लोगों को सुख-शांति, धन-धान्य, स्वास्थ्य और जीवन पथ पर सफलता की आशाओं के साथ सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का कार्य अवश्य करता है। हम लोगों के द्वारा नव वर्ष मनाने का समय व रीति-रिवाज तो अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन इसके मूल भाव पर गौर करें तो अधिकांश लोगों के लिए यह व्यक्तिगत जीवन में आनंद और व्यक्तिगत विकास के लिए की लिए रणनीति बनाकर के वर्ष भर उस रणनीति पर काम करने की शुरुआत का एक बेहतरीन अवसर होता है, बस हम लोगों को इस रणनीति में अब राष्ट्रहित सर्वोपरि के संकल्प को और जोड़ना है, जीवन पथ पर लक्ष्यों को तय करते हुए अब वह समय आ गया है कि जब हम राष्ट्रहित सर्वोपरि के संकल्प के साथ नव वर्ष की शुरुआत करें। क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में बड़ी संख्या में आम लोगों की डिक्शनरी व आचरण से राष्ट्रहित सर्वोपरि दूर की बात होता जा रहा है, राष्ट्रहित पर व्यक्तिगत हित बहुत तेज़ी से हावी होते जा रहे हैं, लोग अपने क्षणिक लाभ के लिए राष्ट्र की बहुमूल्य संपदा, अमन-चैन, भाईचारे तक को दांव पर लगाने से बाज नहीं आ रहे हैं, इसलिए अब वह समय आ गया है कि जब हम राष्ट्रहित सर्वोपरि के संकल्प के साथ नव वर्ष की शुरुआत करें। आज अंग्रेजी नव वर्ष 2026 के अवसर पर मैं अपनी चंद पंक्तियों के माध्यम से आप सभी सम्मानित देशवासियों को शुभकामनाएं देना चाहता हूं।

खाद्य सुरक्षा के लिए ज़रूरी है अरावली का वजूद

वर्ष 2021 की हॉलीवुड व्यंग्य फिल्म 'डोंट लुक अप' में, दो अमेरिकी खगोलशास्त्री दुनिया को एक धूमकेतु के बारे में चेतावनी देते हैं, जो पृथ्वी की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति एक अरबपति के झांसे में आ जाते हैं, जो यह दावा करता है कि उस आकाशीय पिंड में खरबों डॉलर के दुर्लभ तत्व हैं। आखिरकार, धूमकेतु पृथ्वी से टकराता है, जिससे एक वैश्विक आपदा बनती है।

काश! फिल्म के मुख्य किरदारों ने प्राकृतिक संसाधनों की लूट के भयानक परिणामों के बारे में संज्ञान लिया होता, जैसा कि उत्तर भारत के 'हरे फेफड़े' पुकारी जाने वाली और पर्यावरण सुरक्षा के लिए अति संवेदनशील किंतु क्षतिग्रस्त की जा चुकी अरावली पर्वत श्रृंखला की प्रस्तावित 100 मीटर की परिभाषा से साफ था तो फिल्म का शीर्षक 'डोंट लुक अप, लुक डाउन' होता। यह वही है, जिसकी चेतावनी महात्मा गांधी ने यह कहकर दी थी, 'दुनिया में हर किसी की ज़रूरत के लिए काफी है, लेकिन हर किसी के लालच के लिए नहीं।'

कई साल पहले, मैं हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में गोविंद सागर जलाशय के ऊपर हिमालय की नाजुक पहाड़ियों में चूना पत्थर की खुदाई पर रिपोर्टिंग करने गया था। एक सीमेंट कंपनी धीरे-धीरे, परत-दर-परत, चूना पत्थर वाली पहाड़ी को खुरच रही थी। जब मैंने कंपनी के महाप्रबंधक से पूछा कि क्या उन्हें अहसास है कि पहाड़ी को समतल करने से गंभीर पारिस्थितिक नुकसान होगा, तो उनके जवाब में आमतौर पर हावी मानसिकता झलक रही थी, 'जब पहाड़ी ही नहीं रहेगी तो आप किस पारिस्थितिक नुकसान की बात कर रहे हैं?' हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि प्राकृतिक संसाधनों के दोहन पर आधारित सभी विकास गतिविधियां बंद कर देनी चाहिए। इसका अर्थ सिर्फ यह है कि मुख्य आवश्यक तत्वों के अत्यधिक खनन के गंभीर पर्यावरणीय परिणाम होते हैं और इसके लिए सख्त नियमों के अलावा प्रकृति द्वारा प्रदत्त पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के आर्थिक मूल्यांकन की भी ज़रूरत है। इसके सामाजिक प्रभाव भी होते हैं, जिनके लिए कोई माप-सूत्र मौजूद नहीं है। ऐसे में, अगर नीति निर्माताओं को गलती करनी भी पड़े, तो उन्हें लोगों और पर्यावरण के हित में गलती करनी चाहिए। इसी तरह, जब हिमालय के ग्लेशियर पिघलने लगे, तब एक ऐसा कथानक गढ़ने की कोशिश की गई जो उन दावों को चुनौती दे रहा था, जिसमें इस घटनाक्रम को जलवायु आपदा बताया गया था। भगवान का शुक्र है कि अब दुनिया पिघलते ग्लेशियरों के विनाशकारी परिणामों के प्रति जाग गई है। ग्लोबल वार्मिंग से आगे बढ़कर, दुनिया पहले ही ग्लोबल बॉइलिंग स्टेज में प्रवेश कर चुकी है। इसका मतलब है पहाड़ियों और जंगलों का अंधाधुंध दोहन, जो दुनिया को सिर्फ जलवायु आपदा की ओर धकेलेगा। चार राज्यों—गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के 37 जिलों में 1.44 लाख वर्ग किमी में फैली अरावली पहाड़ियों में सीसा, जस्ता, चांदी, तांबा और बेशक, संगमरमर जैसे मुख्य खनिजों का भरपूर भंडार है। इसके अलावा, ये पहाड़ियां लिथियम, निकेल, मोलिब्डेनम, नाइओबियम और टिन जैसे ज़रूरी खनिजों से भी भरपूर हैं। जैसे 'डोंट लुक अप' में अमेरिकी राष्ट्रपति को यह विश्वास दिलाया गया था कि धूमकेतु की आर्थिक संपत्ति बहुत ज़्यादा दौलत लाएगी, वैसे ही यह माना जा रहा है कि अरावली में मौजूद खनिज देश के आर्थिक विकास के लिए ज़रूरी हैं। अगर ऐसा है, तो मुझे नहीं पता कि इतने बड़े पैमाने पर 'सेव अरावली' विरोध प्रदर्शन क्यों हो रहे हैं। क्या लोग खनिज संपदा की आर्थिक कीमत नहीं समझते, जिसे किसी भी कीमत पर निकालना ज़रूरी है?

एक अरब साल से भी ज़्यादा पुरानी अरावली पहाड़ियों ने उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के रेगिस्तान बनने के विरुद्ध एक हरी दीवार का काम किया है। ये पहाड़ियां समृद्ध जैव विविधता का भंडार भी हैं; ये जमीन के नीचे के जलभंडारों की भरपाई करने में अहम भूमिका निभाती हैं और इन्होंने दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में रेगिस्तान की आगे बढ़ने की चाल को रोका है। लेकिन अरावली पट्टी में इंसानी दखल और विकास प्रक्रिया के कारण वन्यजीवों के आवासों और स्थानीय आजीविका को पहले ही बहुत नुकसान हो चुका है। जैसे-जैसे रेगिस्तान फैल रहा है, देश की कड़ी मेहनत से हासिल की गई खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ रही है।

फरवरी, 2025 में संसद को बताया गया कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा तैयार किए गए 2021 के भारत के मरुस्थलीकरण और भूमि क्षरण मानचित्र के अनुसार, रेगिस्तान तेज़ी से अन्न पैदा करने वाली कृषि भूमि की ओर बढ़ रहा है। पहले से ही, हरियाणा में 3.64 लाख हेक्टेयर से ज़्यादा, पंजाब में 1.68 लाख हेक्टेयर और उत्तर प्रदेश में 1.54 लाख हेक्टेयर भूमि क्षरण और मरुस्थलीकरण की चपेट में आ चुकी है। एक बार अरावली का स्वरूप नई परिभाषा के अनुसार बन गया तो भूमि क्षरण और भी तेज़ हो जाएगा। इससे तेज़ गर्म हवा, बार-बार धूल भरी आंधियां, बढ़ते तापमान का रास्ता खुल जाएगा; इसके साथ खेती के कारण गहरे जमीनी पानी के खत्म होने से, मिट्टी का कटाव और तेज होगा, जिससे कृषि भूमि की गुणवत्ता खराब हो जाएगी। जहां अरावली को लेकर प्रस्तावित नए मानकों पर बहस खनन और पर्यावरण पर केंद्रित है वहीं लंबी अवधि की खाद्य सुरक्षा के लिए उभरता खतरा नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र अधिवेशन ने चेतावनी दी है कि मरुस्थलीकरण मिट्टी की उर्वरता को गंभीर नुकसान पहुंचाता है, जिससे उपजाऊ ज़मीनें अर्धशुष्क हो जाती हैं। निश्चित रूप से, मरुस्थलीकरण इतना गंभीर मुद्दा है कि इसे सिर्फ दावों और वादों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। एक नई प्रबंधन योजना को लागू करने और 'मज़बूत सुरक्षा' के वादे अब पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं हैं।

निःसंदेह, अरावली की पहाड़ियां महज रणनीतिक खनिजों के लिए एक प्राकृतिक भंडार नहीं हैं; वे बड़े पैमाने पर पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं भी प्रदान करती हैं। प्रकृति प्रदत्त इन पारिस्थितिक और पर्यावरणीय सेवाओं की वास्तविक आर्थिक लागत का पता नहीं लगाया गया है। एक बार जब यह मोल पता चल जाएगा, तो राष्ट्र को पहाड़ियों को बरकरार रखने की आर्थिक आवश्यकता का अहसास होगा, भले ही खनिजों को निकालने की आर्थिक लागत पर ज़्यादा ज़ोर दिया जाता है।

'द इकोनॉमिक्स ऑफ इकोसिस्टम सर्विसेज ऑफ बायोडायवर्सिटी' के मानदंडों के अनुसार अगर राष्ट्रीय लेखा-जोखा में धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण कैलास पर्वत और डल झील को आर्थिक मूल्य दिया जा सकता है, तो दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में से एक अरावली के लिए भी, इसी प्रकार का लागत-लाभ विश्लेषण किया जाना चाहिए।

जीवन मंत्र

जीवन को परिपूर्णता देने के लिए हमें शुरू से ही संसाधन मिले हैं। इन संसाधनों का प्रयोग भी हमें बतलाया जाए, छोटी ही आयु से। अभिभावक भी इस प्रयोग को करें। आज अभिभावक भी टीवी पर गलत देख रहे हैं, ऐसा नहीं होना चाहिए।

कल्याण का धाम है शरीर

बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो, बुरा मत कहो- गांधी जी की यह शिक्षा है। यह वेदों ने भी कहा है। हम केवल भद्र को सुनेंगे। दूसरों की निंदा सुनकर आदमी राक्षस हो जाता है। कान भी बुरी बातों को सुनने का आदी हो जाता है। चरस पीने वालों को दूसरा नशा काम नहीं करता, जैसे शराब पीने वाले को दूसरा पेय प्रभावित नहीं करता, सुकून नहीं देता। शुरू से ही हमें गलत, असभ्य बातों पर कान नहीं देना है। वेदों ने कहा कि हमें भद्र को सुनना है। भद्र माने? जो हमें विकृत प्रेरणा नहीं दे सकता। भद्र को ही सुनना और भद्र को ही देखना-सीखना चाहिए। जब हम छोटे थे, तब लोग देखते थे कि हम किसे देख रहे हैं? यदि हमारा लड़का सयाना है और जिसे नहीं देखना चाहिए, उसे देख रहा है, तो बड़े लोग टोकते थे कि क्या देख रहे हो? मुझे गुरुजी का ध्यान है कि मेरे कमरे में खिड़की थी, खिड़की के पार एक परिवार के लोग रहते थे, बीच में गली थी। उस खिड़की से बाहर देखते हुए मुझे गुरुजी ने नहीं देखा, लेकिन जब वह देख लेते थे कि कभी खिड़की खुली है, तब वह कठोर शब्दों का प्रयोग करके मेरी भर्त्सना करते थे। पूछते थे, उधर की खिड़की क्यों खुली है? परिणाम यह कि पांच-पांच महीने निकल जाते, और मैं उस तरफ की खिड़की नहीं खोलता।

आज भी जहां रहता हूं, वहां खिड़की को नहीं खोलना है, आदत हो गई है। हमें बाहर क्या देखना है, कौन सी चीज कमरे में नहीं है, बाहर किसको देखकर हम वैज्ञानिक या विरागी हो जाएंगे? तो भद्र को ही सुनना, भद्र को ही देखना और भद्र को ही छूना, यह बच्चों को शुरू से बताना चाहिए।

संत शिरोमणि डोंगरे जी का प्रवचन सुन रहा था। उन्होंने कहा, 'हम किसी को दो पैसे दे दें, उसे जब जरूरत हो, किंतु अपनी आंख और कान नहीं दें।' लोग अनावश्यक बहुत बोलते हैं और अनावश्यक बहुत सुनते हैं। आदमी किसी को भी सुन लेता है। हम क्यों सुनें? हम क्यों देखें? हमें देखने से कुछ अच्छा मिले, तो देखें? क्या जो भी मिलेगा, ग्रहण कर लेंगे? जीवन भर इंद्रियों का प्रयोग करना है, ईश्वर ने दिया है। हमारे कल्याण के संसाधनों का धाम है शरीर। जीवन को परिपूर्णता देने के लिए हमें शुरू से ही संसाधन मिले हैं। इन संसाधनों का प्रयोग भी हमें बतलाया जाए, छोटी ही आयु से। अभिभावक भी इस प्रयोग को करें। आज अभिभावक भी टीवी पर गलत देख रहे हैं, ऐसा नहीं होना चाहिए। हम अपने जीवन को सबके लिए लाभप्रद बनाएं।

शख्सियत — आनंद कुमार

पद्म श्री से सम्मानित गणित के शिक्षक

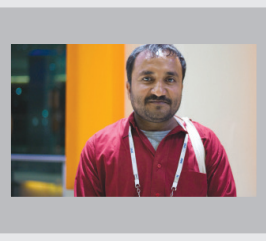

आनंद कुमार एक गणित शिक्षक हैं, जो अपने सुपर 30 कार्यक्रम के लिए जाने जाते है। इसे उन्होंने 2002 में बिहार के पटना में अभयानंद के साथ शुरू किया था, जो प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन और जेईई-एडवांस्ड के लिए वंचित छात्रों को कोचिंग देने के लिए जाने जाते हैं। कुमार को टाइम पत्रिका की 2010 की एशिया की सर्वश्रेष्ठ सूची में नामित किया गया था। 2023 में, उन्हें साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

आनंद कुमार का जन्म 1 जनवरी 1973 में बिहार में हुआ था। उनके पिता भारत के डाक विभाग में क्लर्क थे। उनके पिता अपने बच्चों के लिए निजी स्कूली शिक्षा का खर्च वहन नहीं कर सकते थे, और आनंद ने एक हिंदी माध्यम के सरकारी स्कूल में दाखिला लिया, जहां उन्होंने गणित में गहरी रुचि विकसित की। बचपन में, उन्होंने बिहार के पटना में पटना हाई स्कूल में पढ़ाई की। अपने स्नातक स्तर की पढ़ाई के दौरान, कुमार ने संख्या सिद्धांत पर पेपर प्रस्तुत किए, जो गणितीय स्पेक्ट्रम में प्रकाशित हुए। कुमार ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में प्रवेश ले लिया, लेकिन अपने पिता की मृत्यु और अपनी वित्तीय स्थिति के कारण वह इसमें शामिल नहीं हो सके।

कुमार को भारत के राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द द्वारा राष्ट्रीय बाल कल्याण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एक कनाडाई सांसद मार्क डाल्टन ने कनाडाई संसद में शिक्षा के एक सफल मॉडल के रूप में वंचित बच्चों के साथ आनंद कुमार के 'प्रेरणादायक कार्य' की प्रशंसा की है। आनंद कुमार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा मानद पीएचडी से सम्मानित किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में उनके प्रयासों को अग्रणी माना जाता है। आनंद कुमार को सैन जोस, कैलिफोर्निया में एक समारोह में फाउंडेशन फॉर एक्सीलेंस इन एजुकेशन (एफएफई) द्वारा एजुकेशन एक्सीलेंस अवार्ड 2019 से अमेरिका में सम्मानित किया गया है। आनंद कुमार को चेन्नई में महावीर पुरस्कार प्राप्त हुआ। बॉलीवुड निर्देशक विकास बहल ने सुपर 30 नामक एक फिल्म का निर्देशन किया है, जिसमें ऋतिक रोशन ने आनंद कुमार की भूमिका निभाई है, जो उनके जीवन और कार्यों पर आधारित है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और कई छात्रों के लिए एक बड़ी प्रेरणा बन गई।

जीवन ऊर्जा

एडवर्ड मॉर्गन फोस्टर : जन्म 1 जनवरी, 1879 — जन्म

एडवर्ड मॉर्गन फोस्टर एक अंग्रेजी लेखक थे। उनका जन्म 1 जनवरी, 1879 में हुआ था। वे अपने उपन्यासों, विशेष रूप से 'ए रूम विद ए व्यू' (1908), 'हावर्ड्स एंड' (1910) और 'ए पैसेज टू इंडिया' (1924) के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कई लघु कथाएं, निबंध, भाषण और प्रसारण भी लिखे, साथ ही सीमित संख्या में आत्मकथाएं और कुछ तमाशा नाटक भी लिखे। उन्होंने ओपेरा बिली बड (1951) का सह-लेखन भी किया।

जुनून वाला व्यक्ति रुचि रखने वाले चालीस लोगों से बेहतर है

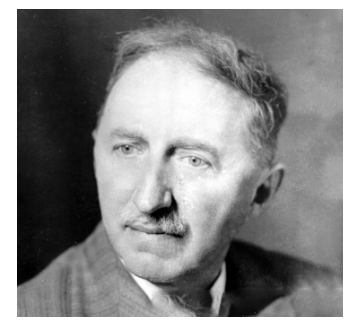

जुनून वाला एक व्यक्ति केवल रुचि रखने वाले चालीस लोगों से बेहतर है। हमें उस जीवन को जाने देने के लिए तैयार रहना चाहिए जिसकी हमने योजना बनाई है, ताकि वह जीवन प्राप्त हो सके जो हमारी प्रतीक्षा कर रहा है। आप भ्रमित करते हैं कि क्या प्रभावशाली है और क्या महत्वपूर्ण है। व्यक्ति प्रशंसा, या दोष, या सलाह दिए जाने का आदी हो जाता है, लेकिन इसे समझा जाना असामान्य है। लंबे समय में चम्मच से खाना हमें चम्मच के आकार के अलावा और कुछ नहीं सिखाता है। हम जहां कहीं भी खड़े होते हैं, उस चीज पर छाया डालते हैं। मानवीय संबंध असंभव हैं, जब वे वास्तविक होते हैं तो वे असहज होते हैं, और जब वे सहज होते हैं तो वे असत्य होते हैं; यह एकांत की यात्रा के लिए था कि मानव आत्मा का निर्माण किया गया। निजी जीवन में प्यार एक बड़ी ताकत है; यह वास्तव में सभी चीजों में सबसे महान है; लेकिन सार्वजनिक मामलों में प्यार काम नहीं आता। जीवन वायलिन पर एक सार्वजनिक प्रदर्शन है, जिसमें आपको आगे बढ़ते हुए वाद्ययंत्र सीखना चाहिए। जब तक हम याद नहीं करते हम समझ नहीं सकते। जब तक आपके पास पैसा है तब तक कोई बड़ा जोखिम नहीं है। जीवन हमें कभी वह नहीं देता जो हम उस समय चाहते हैं जिसे हम उचित समझते हैं। लोगों को प्यार करना चाहिए और उन पर भरोसा करना चाहिए अगर किसी को जीवन को गड़बड़ाना नहीं है। बोलने से पहले सोचें आलोचना का आदर्श वाक्य है; आपके सोचने से पहले बोलें, सृष्टि की।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

गीता और मानस : मोहरूपी अंधकार से चेतना के प्रकाश की यात्रा

भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में श्रीमद्भगवद्गीता और श्रीरामचरितमानस केवल ग्रंथ नहीं, बल्कि मनुष्य की अंतर्यात्रा के जीवंत मार्गदर्शक हैं। दोनों का उद्देश्य एक ही है—जीव को मोहरूपी अज्ञान से मुक्त कर उसे आत्मबोध, भक्ति और शरणागति के मार्ग पर प्रतिष्ठित करना। युग, भाषा और पात्र भले अलग हों, पर श्रीकृष्ण और श्रीराम की करुणा, आश्वासन और तत्वज्ञान एक ही दिव्य स्रोत से प्रवाहित होता प्रतीत होता है। गीता में जहाँ अर्जुन के माध्यम से युद्धभूमि में खड़े मानव की मानसिक दुविधा का समाधान है, वहीं मानस में रामकथा के माध्यम से जीवन के प्रत्येक स्तर पर मानव मन की दुर्बलताओं और उनके समाधान का अत्यंत कोमल, भावपूर्ण और लोकसुलभ चित्रण है।

गीता का विराट रूप अध्याय यह स्पष्ट करता है कि ईश्वर केवल किसी एक रूप, मूर्ति या सीमित कल्पना में बंधे नहीं हैं, बल्कि वे समस्त सृष्टि में व्याप्त चेतना हैं। वही विराट भाव मानस में भी बार-बार प्रकट होता है, जब कागभुशुण्डि, मंदोदरी, गरुड़ और स्वयं तुलसीदास जी श्रीराम के अलौकिक स्वरूप का वर्णन करते हैं। मानस में श्रीराम एक आदर्श राजा, पुत्र, पति और मित्र हैं, पर साथ ही वे अनंत, अविनाशी और सर्वव्यापक ब्रह्म भी हैं। यही विराटता मनुष्य को उसके संकुचित अहं और मोह से बाहर निकालने का माध्यम बनती है।

गीता में भगवान स्पष्ट करते हैं कि अज्ञान से उत्पन्न तमोगुण ही जीव का सबसे बड़ा शत्रु है। यह तमोगुण प्रमाद, आलस्य और निद्रा के रूप में मनुष्य को जकड़ लेता है और वह अपने वास्तविक स्वरूप को भूलकर संसार के अस्थायी सुख-दुख में उलझ जाता है। गोस्वामी तुलसीदास इसी सत्य को सरल शब्दों में कहते हैं कि मोह समस्त व्याधियों की जड़ है। मोह केवल वस्तुओं या व्यक्तियों से आसक्ति नहीं, बल्कि 'मैं' और 'मेरा' की वह ग्रंथि है जो आत्मा को उसके परम स्रोत से अलग कर देती है। गीता और मानस दोनों ही इस मोह को तोड़ने के लिए मानसिकता के आमूल परिवर्तन पर बल देते हैं। यह परिवर्तन बाहरी कर्मकांड से नहीं, बल्कि भीतर की शरणागति से संभव है। गीता में श्रीकृष्ण का यह आश्वासन कि समस्त धर्मों का परित्याग कर मेरी शरण में आओ, और मैं तुम्हें सभी पापों से मुक्त कर दूंगा, केवल धार्मिक घोषणा नहीं है, बल्कि मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक क्रांति का सूत्र है। इसका अर्थ यह नहीं कि नैतिकता या कर्तव्य का त्याग कर दिया जाए, बल्कि यह कि अहंकारजनित कर्तापन का त्याग कर ईश्वर को जीवन का केंद्र बना लिया जाए। मानस में श्रीराम भी उसी करुणा के साथ कहते हैं कि चाहे कितने ही पाप क्यों न लगे हों, शरणागत को वे कभी नहीं त्यागते। यह शरणागति भयमुक्ति का द्वार खोलती है। गीता में अनन्य भक्ति का सिद्धांत मनुष्य को निरंतर ईश्वर-स्मरण में स्थित रहने की प्रेरणा देता है। जो भक्त पूर्ण विश्वास के साथ भगवान का चिंतन करता है, उसके योगक्षेम का भार स्वयं भगवान उठाते हैं। यही भाव मानस में माता और शिशु के संबंध के रूपक से प्रकट होता है, जहाँ प्रभु कहते हैं कि वे अपने भक्त की रक्षा वैसे करते हैं जैसे माँ अपने बच्चे की करती है। यह उपमा बताती है कि शरणागत भक्त के जीवन में ईश्वर की कृपा कोई सैद्धांतिक बात नहीं, बल्कि प्रत्यक्ष अनुभव बन जाती है। इन दोनों ग्रंथों का सत्संग मनुष्य को यह सिखाता है कि जीवन का वास्तविक युद्ध बाहरी शत्रुओं से नहीं, बल्कि भीतर के अज्ञान, भय, अहं और मोह से है। जब मनुष्य इस सत्य को समझ लेता है, तब उसका प्रत्येक कर्म साधना बन जाता है और प्रत्येक परिस्थिति आत्मविकास का अवसर। गीता का ज्ञान और मानस की भक्ति मिलकर जीवन को संतुलित बनाते हैं—जहाँ विवेक और भाव, ज्ञान और प्रेम, पुरुषार्थ और कृपा एक-दूसरे के पूरक बन जाते हैं। आज के अशांत, भौतिक और प्रतिस्पर्धात्मक युग में गीता और मानस की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। ये ग्रंथ हमें याद दिलाते हैं कि स्थायी शांति बाहरी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि भीतर की चेतना के जागरण से आती है। जब मनुष्य मोहरूपी अज्ञान के अंधकार से बाहर निकलकर परमेश्वर की शरण में जीवन जीने लगता है, तब उसका भय, असुरक्षा और अकेलापन स्वतः मिटने लगता है। यही इन अलौकिक ग्रंथों का संदेश है—जीवन संग्राम में विजय और अंततः मुक्ति का मार्ग।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

भारत की आज़ादी के बाद से, अयोध्या ने राम जन्मभूमि आंदोलन के कई दौर देखे हैं। कुछ लोगों ने अपने स्वार्थ और राजनीतिक सत्ता की चाहत में अयोध्या को अशांति और झगड़े की जगह बना दिया था। 5 अगस्त 2020 को, भारत में पहली बार किसी प्रधानमंत्री ने अयोध्या का दौरा किया और श्री राम जन्मभूमि मंदिर का भूमि पूजन किया।

-योगी आदित्यनाथ
सीएम, उत्तर प्रदेश

'क्या जरूरत है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मुंबई में आने की? क्या यहां कि भारतीय जनता पार्टी, यहां के मुख्यमंत्री प्रचार के लिए सक्षम नहीं हैं। योगी आदित्यनाथ क्यों आ रहे हैं। क्या संबंध है। और भी राज्यों के मुख्यमंत्री आ रहे हैं। यहां आप माहौल खराब करना चाहते हैं।

-संजय राउत
नेता, शिवसेना (यूबीटी)

चीन निर्णायक रूप से पाकिस्तान के साथ खड़ा था, ऐसे में भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने के चीन के दावे चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि यह चिंताजनक सिर्फ इसलिए नहीं कि यह देश की जनता को अब तक बताई गई बातों के उलट हैं, बल्कि इसलिए भी कि यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का मजाक बनाता प्रतीत होता है।

-जयराम रमेश
नेता, कांग्रेस

नुसरत भरुचा ने महाकाल मंदिर उज्जैन में जो धार्मिक परंपराए निभाई,जल चढ़ाया, यह तमाम चीजें इस्लाम के खिलाफ हैं। शरीयत की नजर मे गुनहगार हैं. उनको तौबा करनी चाहिए और साथ ही उनको कलमा भी पढ़ना चाहिए।

-मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी
राष्ट्रीय अध्यक्ष,AIMJ

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

DBD 2026 दो बजे दोपहर

ज्योतिष विशेषांक

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

5

मुंबई, गुरुवार, 1 जनवरी 2026

लेखिका :
" ह्रीं " चिंतना श्रीजी।

ज्योतिषी सा. ह्री चिंतनश्रीजी (नक्षत्र मंत्रविद)
मेवाड़ा समाज में जन्मे ज्योतिषी सा. ह्री चिंतनश्रीजी एक ज्योतिषाचार्य, पत्रकार और आध्यात्मिक शोधकर्ता हैं। आपने बी.ए., गुजराती साहित्य में एम.ए. तथा एम.ए. पत्रकारिता की शिक्षा प्राप्त की है। "ज्योतिष ऋषि" (गोल्ड मेडल, 2018) और "नक्षत्र मंत्रविद" (2025) सहित अनेक उपाधियों से सम्मानित, आपका ज्योतिष व लेखन क्षेत्र में योगदान उल्लेखनीय है।

मेष

मेष राशि वालों के लिए साल 2026 स्टेबिलिटी, ग्रोथ और नए मौके लाएगा, खासकर करियर और फाइनेंशियल सेक्टर में; मेहनत से सफलता मिलेगी, इन्वेस्टमेंट फायदेमंद होगा, लेकिन खर्च को लेकर सावधान रहें; स्टूडेंट्स को विदेश में पढ़ाई और कॉम्पिटिटिव एग्जाम में सफलता मिलने की संभावना है।

करियर और बिज़नेस : सफलता : साल की शुरुआत में चुनौतियों के बावजूद, कड़ी मेहनत से सफलता मिलेगी। जून-जुलाई में आपको नौकरी में प्रमोशन, पहचान और नए प्रोजेक्ट मिल सकते हैं।

बिज़नेस : बिजनेसमैन को नए ऑर्डर, पार्टनरशिप और एक्सपेंशन से फायदा होगा; आपको विदेशी कंपनियों से भी नौकरी के मौके मिलेंगे।

ग्रहों का असर : बृहस्पति का चौथे घर में गोचर आपके करियर को मजबूत करेगा; राहु के असर से पैसे कमाने के शॉर्टकट से बचें।

फाइनेंशियल कंडीशन : ग्रोथ : इनकम में सुधार होगा, इन्वेस्टमेंट से फायदा होगा, घर, कार, प्रॉपर्टी खरीदने के लिए यह अच्छा समय है।

सावधानी : फालतू खर्चों से बचें; पैसे का मैनेजमेंट समझदारी से करें।

फायदे : विरासत में मिली दौलत और शॉर्ट-टर्म इन्वेस्टमेंट (स्टॉक मार्केट) से भी फायदा हो सकता है।

स्टूडेंट्स के लिए :- सफलता : कॉम्पिटिटिव एग्जाम और विदेश में पढ़ाई के अच्छे मौके मिलेंगे।

ध्यान दें : पढ़ाई में ध्यान भटक सकता है, इसलिए रेगुलर और सब्र ज़रूरी है।

दूसरे पहलू :
साढ़े साती : शनि के 12वें घर में जाने से साढ़े साती का असर होगा, जिससे कुछ मुश्किलें आ सकती हैं।

रिश्ते : साल के बीच में रिश्ते मजबूत होंगे; रोमांस के साथ-साथ लव लाइफ में भी कुछ उतार-चढ़ाव आ सकते हैं।

वृषभ

वृषभ राशि वालों के लिए साल 2026 फाइनेंशियली मजबूत, शुभ और स्थिर रहेगा, जहां इनकम के नए सोर्स खुलेंगे, पुराने इन्वेस्टमेंट का फल मिलेगा और बिजनेस में फायदा होगा; हालांकि, हेल्थ पर ध्यान देना होगा, खर्चों पर कंट्रोल रखना होगा और सोच-समझकर इन्वेस्टमेंट करना होगा, वहीं स्टूडेंट्स और परिवार के लिए भी यह साल पॉजिटिव रहेगा, जिसमें मेहनत से सफलता मिलेगी।

खास बातें :

फाइनेंशियल स्थिति : साल की शुरुआत से ही फाइनेंशियल स्थिति में सुधार होगा। गुरु की कृपा से धन बढ़ेगा, नए सोर्स से इनकम और सेविंग्स बढ़ेंगी। पुराने इन्वेस्टमेंट का फल मिलेगा। हालांकि, खर्चों पर कंट्रोल रखना और रिस्की इन्वेस्टमेंट से बचना जरूरी है।

करियर और बिजनेस : बिजनेस के लिए यह फायदेमंद साल है। नए प्रोजेक्ट, पार्टनरशिप फायदेमंद हो सकती हैं। जॉब में भी नए मौके मिल सकते हैं।

एजुकेशन : स्टूडेंट्स के लिए यह सफलता का साल है। कॉम्पिटिटिव एग्जाम और हायर स्टडीज़ में अच्छे रिजल्ट मिलेंगे, मेहनत रंग लाएगी।

हेल्थ : हेल्थ में उतार-चढ़ाव की संभावना है। सिरदर्द, ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खान-पान पर ध्यान दें और शनि-राहु के असर से बचने के उपाय करें।

परिवार और रिश्ते : परिवार के साथ समय बिताने, रिश्ते बेहतर बनाने पर ध्यान दें। जीवनसाथी की हेल्थ पर ध्यान दें और बड़ों से सलाह लें।

ट्रैवल : यह साल ट्रैवल के लिए अच्छा है, जिससे नए अनुभव और कनेक्शन मिलेंगे। रोमांटिक ट्रैवल से रिश्ते मजबूत हो सकते हैं।

उपाय : हनुमान चालीसा का पाठ करें, दिव्यांगों को खाना खिलाएं। मंदिर में पीले फल दान करें।
शुक्रवार और गुरुवार को लक्ष्मी नारायण मंत्र का जाप करें।

सावधानियां : किसी को पैसे उधार न दें।

मिथुन

वर्ष 2026 मिथुन राशि के लिए नए अवसर, व्यक्तिगत विकास और महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा, साथ ही करियर में उन्नति और वित्तीय स्थिरता की संभावना है, हालांकि शनि और बृहस्पति के प्रभाव से कड़ी मेहनत से सफलता मिलेगी; स्वास्थ्य पर ध्यान दें, छात्रों के लिए अधिक मेहनत और शोधकर्ताओं के लिए अवसर, और रिश्तों में सामंजस्य और प्रेम बढ़ेगा।

करियर और वित्त नए अवसर : वर्ष की शुरुआत में कार्यक्षेत्र में प्रगति और नए आयाम खुलेंगे।

वित्तीय स्थिरता : बृहस्पति का गोचर वित्तीय स्थिरता लाएगा और दीर्घकालिक परियोजनाएं फलीभूत होंगी।

कड़ी मेहनत जरूरी : शनि के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी, लेकिन बृहस्पति साथ देगा।

स्वास्थ्यशुरुआत में सावधानी : साल की शुरुआत में थकान और मानसिक तनाव रह सकता है।

ध्यान और योग : एकाग्रता के लिए योग और ध्यान फायदेमंद होगा, साथ ही संतुलित आहार और व्यायाम जरूरी है सितंबर-अक्टूबर महीने शादी के लिए अच्छे हैं, लेकिन जल्दबाजी से बचें।

सौहार्द : पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों में संतुलन और सामंजस्य बनाए रखना ज़रूरी है।

पढ़ाई और शिक्षा

स्टूडेंट्स : सफलता के लिए ज़्यादा मेहनत करनी पड़ेगी; हायर एजुकेशन और रिसर्च कर रहे स्टूडेंट्स लकी रहेंगे।

उपाय और शुभ अंक

उपाय : गायों को घास खिलाएं, ज़रूरतमंदों को खाना खिलाएं और माथे पर केसर का तिलक लगाएं।

लकी रंग : हरा, क्रीम, पीला।

लकी अंक : 3, 6 (नॉर्मल 5)

कर्क

कर्क राशि वालों के लिए साल 2026 बदलाव, विकास और पॉजिटिव बदलावों का साल होगा, जिसमें करियर के नए मौके, इनकम में बढ़ोतरी और फाइनेंशियल स्थिति मजबूत होगी। हालांकि साल की शुरुआत चुनौतियों के साथ हो सकती है, लेकिन बीच और आखिर में बृहस्पति और शनि का शुभ असर कॉन्फिडेंस बढ़ाएगा, रिश्तों को बेहतर बनाएगा और सेहत का ध्यान रखना ज़रूरी है, खासकर गुस्से और मेंटल स्ट्रेस से बचें, जबकि आध्यात्मिक तरक्की भी मुमकिन है।

करियर और बिज़नेस : विकास और मौके : साल 2026 करियर में ग्रोथ और बढ़ोतरी लाएगा, खासकर बृहस्पति के कर्क राशि में आने के बाद नए मौके मिलेंगे।

बदलाव : यह स्थिरता के साथ बदलाव का समय है; शुरुआत में बृहस्पति के वक्री होने की वजह से सब्र रखें, लेकिन मार्च के बाद रफ़्तार आएगी।

फायदे : सरकारी नौकरी, कॉम्पिटिटिव एग्जाम और एडमिनिस्ट्रेटिव फील्ड से जुड़े लोगों को फायदा होगा।

सलाह : साथ काम करने वालों के साथ मिलकर काम करें, जल्दबाज़ी में फैसले लेने से बचें और बिज़नेस पार्टनरशिप में सावधान रहें।

फाइनेंशियल कंडीशन :

इनकम : इनकम के नए सोर्स खुलेंगे और इन्वेस्टमेंट से प्रॉफिट हो सकता है।

सावधानी : साल की शुरुआत बड़े इन्वेस्टमेंट के लिए सही नहीं है, इसलिए प्लानिंग ज़रूरी है। **हेल्थ :-** **चिंता :** अष्टम राहु की वजह से अचानक बीमारी, एलर्जी, नींद की कमी या मेंटल स्ट्रेस हो सकता है।

सिक्योरिटी : जून से अक्टूबर तक हंस योग से बचाव होगा; प्राणायाम, मेडिटेशन फायदेमंद हैं।

सिंह

सिंह राशि वालों के लिए 2026 में करियर, पढ़ाई और पैसे के मामले में अच्छे मौके हैं, खासकर बृहस्पति और शनि के शुभ गोचर की वजह से, लेकिन सेहत (पेट, कमर) और रिश्तों का ध्यान रखना होगा; जल्दबाजी से बचना, बैलेंस बनाए रखना और सूर्य देव की पूजा करना फायदेमंद रहेगा, जिसमें सब्र और मेहनत से सफलता मिलेगी।

करियर और बिज़नेस मौके : प्रमोशन, नई ज़िम्मेदारियाँ और लीडरशिप के मौके मिल सकते हैं। किस्मत उन्हीं का साथ देगी जो मेहनत करेंगे।

ध्यान दें : काम की जगह पर घमंड और जल्दबाजी से नुकसान हो सकता है। पार्टनरशिप में अनबन और कानूनी पचड़ों से बचने के लिए सावधान रहें।

फायदे : जून के बाद विदेश व्यापार और इंपोर्ट-एक्सपोर्ट से जुड़े लोगों को फायदा हो सकता है।

एजुकेशन :- शुरुआत से 2 जून तक हायर एजुकेशन और लॉ/फाइनेंस स्टूडेंट्स के लिए अच्छा समय है।

जून से अक्टूबर तक विदेश में पढ़ रहे स्टूडेंट्स के लिए बहुत अच्छा है, लेकिन लोकल स्टूडेंट्स को ज़्यादा मेहनत करनी होगी।

हेल्थ : - साल की शुरुआत और बीच में पेट, कमर और गैस से जुड़ी दिक्कतें हो सकती हैं; खासकर जून से अक्टूबर तक ज़्यादा ध्यान दें। शराब, मीट और बासी खाना न खाएं। रेगुलर एक्सरसाइज और योग करें।

प्यार और रिश्ते :- शुरुआत में इमोशनल उतार-चढ़ाव हो सकते हैं, पार्टनर के साथ तालमेल बनाए रखना मुश्किल हो सकता है। धैर्य, समझ और बैलेंस बनाए रखने से रिश्ते मजबूत होंगे; आत्मविश्वास को घमंड में न बदलें।

उपाय : रोज़ हल्दी, चंदन या केसर का तिलक लगाएं और सूर्य देव को जल चढ़ाएं।

रत्न/धातु : ज्योतिषीय सलाह के अनुसार आप गले में मोती या चांदी पहन सकते हैं।

कन्या

कन्या राशि वालों के लिए साल 2026 सपने पूरे होने, करियर में तरक्की और फाइनेंशियल स्थिरता लाएगा। बृहस्पति और शनि के गोचर से बिजनेस में सफलता, नए मौके और रिश्ते मजबूत होंगे। हालांकि, पार्टनरशिप में सावधानी बरतें और फाइनेंशियल रिस्क से बचें। वहीं, अलग-अलग ज्योतिषीय भविष्यवाणियों के मुताबिक, यह साल स्टूडेंट्स और रिसर्चर्स के लिए शुभ रहेगा।

करियर और जॉब :

बिजनेस और जॉब में पॉजिटिव नतीजे मिलेंगे, प्रमोशन और अच्छे मौके मिल सकते हैं। विदेश जाने या नई नौकरी ढूंढने के मौके मिल सकते हैं, जिससे इनकम बढ़ेगी।
शनि का सातवें घर में गोचर पार्टनरशिप में सावधानी बरतने की सलाह देता है, जबकि राहु का छठे घर में गोचर करियर ग्रोथ और परफॉर्मेंस को बेहतर बनाएगा।

फाइनेंशियल स्थिति :

फाइनेंशियल स्थिरता और ग्रोथ दिखेगी, इनकम बढ़ेगी और लंबे समय के लक्ष्य पूरे होंगे।
बृहस्पति का ग्यारहवें घर में गोचर फाइनेंशियल फायदे और इच्छाओं की पूर्ति लाएगा।

प्यार और रिश्ते :

अपनों से रिश्ते और करीबी बनेंगे, आपसी समझ बढ़ेगी।
पर्सनल रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए खुलकर बातचीत करने की ज़रूरत होगी।

दूसरी बातें :

स्टूडेंट्स : पढ़ाई और कॉम्पिटिटिव एग्जाम में सफलता मिलेगी, एनालिटिकल एबिलिटी बढ़ेगी। **हेल्थ :** हेल्थ एवरेज रहेगी, कॉन्फिडेंस बना रहेगा।

उपाय : बुध और बृहस्पति के मंत्रों का जाप, दान और आध्यात्मिक यात्राएं फायदेमंद रहेंगी।

तुला

तुला राशि वालों के लिए साल 2026 फाइनेंस, करियर और रिश्तों के लिहाज़ से सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा। मेहनत का पूरा फल मिलेगा और जीवन में स्थिरता बढ़ेगी। हालांकि बड़े फैसलों, कानूनी मामलों और निवेश से जुड़े विषयों में समझदारी बरतना बेहद ज़रूरी होगा।

आर्थिक और फाइनेंशियल स्थिति

साल 2026 आर्थिक रूप से अनुकूल रहेगा। बृहस्पति की शुभ स्थिति साल की शुरुआत में आर्थिक सहयोग देगी, जबकि जून से अक्टूबर के बीच इसकी उच्च अवस्था बचत और निवेश के लिए बेहद लाभकारी रहेगी। मार्च के बाद आय स्थिर होगी और अक्टूबर के आसपास इन्वेस्टमेंट तथा बिज़नेस पार्टनरशिप से अच्छा फायदा मिल सकता है। शनि का सीधा दबाव न होने से पैसों से जुड़े मामलों में राहत मिलेगी।

करियर और बिजनेस

करियर में प्रमोशन, नई नौकरी और जिम्मेदारियों के योग बनते हैं, खासकर साल के मध्य में। बिज़नेस से जुड़े लोग नए प्लान और रणनीतियां अपनाकर भविष्य को मजबूत बना सकते हैं। साल के अंत में पार्टनरशिप और निवेशकों से सहयोग मिलने की संभावना है। ईमानदारी और निरंतर मेहनत आपकी सबसे बड़ी ताकत रहेगी।

प्यार और रिश्ते

लव लाइफ में सफलता के संकेत हैं, लेकिन भावनात्मक संतुलन बनाए रखना ज़रूरी होगा। खुद को समझने और रिश्तों में परिपक्वता आने का समय है। कपल्स के लिए हेल्थ, ट्रैवल और पर्सनल ग्रोथ पर ध्यान देना फायदेमंद रहेगा।

फैमिली लाइफ और हेल्थ

परिवारिक जीवन सुखद रहेगा और पुराने विवाद सुलझ सकते हैं। हालांकि बृहस्पति के गोचर से साल के मध्य में पारिवारिक खर्चे बढ़ सकते हैं। सेहत के लिहाज़ से संतुलित खान-पान और अनुशासित जीवनशैली अपनानी होगी।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि वालों के लिए साल 2026 करियर में नए अवसर, आर्थिक स्थिरता और रिश्तों में संतुलन लेकर आएगा। हालांकि सेहत और पारिवारिक मामलों में थोड़ी सावधानी, संयम और समझदारी की ज़रूरत रहेगी। चुनौतियों के बावजूद यह साल आत्म-विकास और आगे बढ़ने का मौका देगा।

करियर :- 2026 में करियर से जुड़े नए मौके मिलेंगे। साल के मध्य में नई ज़िम्मेदारियाँ, लीडरशिप रोल और प्रमोशन के योग बन सकते हैं। बुध के प्रभाव से कम्युनिकेशन, नेटवर्किंग और टीमवर्क बेहद अहम रहेगा। ऑफिस में बदलाव और ट्रांसफर के संकेत साल के आखिरी हिस्से में मिल सकते हैं।

धन और फाइनेंस

आर्थिक दृष्टि से यह साल स्थिरता और ग्रोथ का है। आय में बढ़ोतरी होगी और सोच-समझकर किए गए निवेश लाभ देंगे। हालांकि सट्टा, जोखिमभरे निवेश और बड़े खर्चों से बचना ज़रूरी है। साल का अंतिम हिस्सा फाइनेंशियली अधिक अनुकूल साबित होगा।

प्यार, शादी और परिवार

लव लाइफ मिली-जुली रह सकती है। साल की शुरुआत में रिश्तों में तनाव, गलतफहमियां और बहस संभव है। बातचीत और भावनात्मक समझ से रिश्तों को संभालना होगा। साल के मध्य में बृहस्पति का गोचर शादीशुदा जीवन में स्थिरता और खुशियां लाएगा। अविवाहित लोगों के लिए शादी की योजना के लिहाज़ से समय अनुकूल नहीं है, लेकिन पहले से चल रहे रिश्ते मजबूत हो सकते हैं।

हेल्थ :- मेंटल स्ट्रेस, डाइजेशन और लिवर से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं। मेडिटेशन, योग, पर्याप्त नींद और संतुलित दिनचर्या बेहद ज़रूरी होगी। साल के बीच में स्वास्थ्य में सुधार होगा, लेकिन ओवरवर्क से बचें।

धनु

धनु राशि वालों के लिए साल 2026 फाइनेंस, करियर और हेल्थ के लिहाज़ से संतुलित और सकारात्मक रहने वाला है। इस वर्ष बृहस्पति, शनि और राहु की चाल आपके जीवन में अहम बदलाव लाएगी। शनि से बनने वाला धन राजयोग और शुक्र से बनने वाला मालव्य राजयोग आर्थिक मजबूती, सुख-सुविधाओं और स्थिरता में वृद्धि करेगा।

धन और फाइनेंस

साल की शुरुआत में आपकी आर्थिक स्थिति मज़बूत होगी। बैंक बैलेंस बढ़ेगा और बिजनेस में सोच-समझकर लिया गया रिस्क फायदेमंद रहेगा। राहु और शनि का प्रभाव आपको बचत और निवेश की ओर प्रेरित करेगा। पहले छह महीनों में फाइनेंशियल ग्रोथ साफ दिखाई देगी।

करियर और जॉब

2026 करियर के लिहाज़ से प्रगति का साल है। शनि आपको मेहनत, अनुशासन और धैर्य सिखाएगा, जिससे काम में स्थिरता आएगी। बृहस्पति का सातवें घर में प्रभाव निर्णय क्षमता को मजबूत करेगा। नया स्टार्टअप शुरू करने, नए प्रोजेक्ट्स और बिजनेस विस्तार के अच्छे मौके मिलेंगे। हालांकि जून से अक्टूबर के बीच कानूनी या प्रोफेशनल अड़चनों से सावधान रहना होगा। साल के अंत में ट्रांसफर, बिजनेस ट्रैवल और नई नौकरी के योग बनते हैं।

हेल्थ

साल की शुरुआत में हेल्थ सामान्य से अच्छी रहेगी, लेकिन दूसरे हाफ में विशेष सावधानी ज़रूरी है। जून से अक्टूबर के बीच मौसमी बीमारियां, सर्दी-खांसी और डाइजेस्टिव समस्याएं परेशान कर सकती हैं। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और मेंटल हेल्थ पर ध्यान देना जरूरी होगा। साल के अंतिम महीनों में बृहस्पति का शुभ प्रभाव स्वास्थ्य में सुधार लाएगा।

मकर

मकर राशि वालों के लिए साल 2026 अनुशासन, स्थिरता और बदलाव का संतुलित मिश्रण लेकर आएगा। बृहस्पति के शुभ प्रभाव से करियर में प्रगति, आर्थिक अवसर और नए अनुभव मिलेंगे, जबकि राहु-केतु के कारण खर्च, निवेश और भावनात्मक संतुलन पर विशेष ध्यान देना आवश्यक होगा। सही प्लानिंग और धैर्य से यह साल उपलब्धियों से भरा बन सकता है।

करियर और फाइनेंस : 2026 करियर के लिहाज़ से स्थिरता और प्रमोशन के लिए अच्छा समय है। नौकरीपेशा लोगों को जिम्मेदारियां और आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं। शेयर बाजार या अचानक धन लाभ के योग बनते हैं, लेकिन रिस्की इन्वेस्टमेंट, लोन देने और बिना जानकारी निवेश से बचना ज़रूरी है। जून से अक्टूबर के बीच जीवनसाथी या बिजनेस पार्टनर के माध्यम से आर्थिक लाभ संभव है। इनकम अच्छी रहेगी, लेकिन सेविंग अपेक्षा से कम हो सकती है, इसलिए बजट बनाकर चलना ज़रूरी होगा।

फाइनेंशियल स्थिति : राहु का दूसरे भाव में रहना फालतू खर्च बढ़ा सकता है। साल की शुरुआत से दिसंबर तक धन को लेकर सतर्कता ज़रूरी है। नए फील्ड या अनजान विषयों में निवेश नुकसान दे सकता है। बृहस्पति की स्थिति इनकम के लिए अनुकूल रहेगी, लेकिन सेविंग्स पर कंट्रोल रखना आपकी जिम्मेदारी होगी।

हेल्थ : स्वास्थ्य सामान्य रूप से अच्छा रहेगा। शनि का तीसरे भाव में होना हेल्थ के लिए शुभ है। हालांकि 2 जून तक बृहस्पति छठे भाव में रहने से पेट, कमर या पुरानी बीमारियों में सावधानी रखनी होगी। 2 जून से 31 अक्टूबर के बीच स्वास्थ्य में सुधार होगा और बड़ी समस्याएं धीरे-धीरे दूर होंगी। मानसिक शांति, आत्मनिरीक्षण और संतुलित दिनचर्या लाभकारी रहेगी।

रिश्ते और पर्सनल लाइफ : काम और निजी जीवन में संतुलन बनाना सीखेंगे। शादीशुदा जीवन में समझ और शांति बढ़ेगी।

कुंभ

कुंभ राशि वालों के लिए साल 2026 शनि देव के प्रभाव के कारण चुनौतीपूर्ण लेकिन सीख देने वाला रहा। इस वर्ष शनि की साढ़े साती का दूसरा चरण शुरू होने से जीवन के कई क्षेत्रों—खासकर सेहत, करियर और पारिवारिक जीवन—में मेहनत, धैर्य और सावधानी की आवश्यकता पड़ी। हालांकि कठिनाइयों के बीच फाइनेंशियल सुधार और धन लाभ के संकेत भी मिले।

शनि का प्रभाव : साल की शुरुआत में शनि का आपकी राशि से गोचर जीवन में बड़े बदलाव लेकर आया। यह समय जिम्मेदारियां बढ़ाने वाला रहा, जिसमें बिना मेहनत के सफलता संभव नहीं थी। मार्च और अगस्त के महीने विशेष सावधानी की मांग करते रहे।

फाइनेंशियल स्थिति : आर्थिक रूप से यह साल धीरे-धीरे सुधार की ओर बढ़ा। फिजूलखर्ची में कमी आई और बृहस्पति व राहु के प्रभाव से आय के नए स्रोत बने। पुराने निवेश से लाभ और बचत के योग बने, जिससे साल के अंत तक आर्थिक स्थिति बेहतर हुई।

करियर और बिज़नेस : नौकरीपेशा लोगों के लिए साल की शुरुआत अनुकूल रही। अधिकारियों और सहकर्मियों से सहयोग मिला। अप्रैल के बाद प्रमोशन या नई नौकरी के योग बने। बिज़नेस करने वालों को पुरानी मेहनत का फल मिला और नई डील्स फायदेमंद रहीं। विदेश या दूसरे शहर जाने के अवसर भी बने।

प्यार और रिश्ते : लव लाइफ में उतार-चढ़ाव देखने को मिले। नए रिश्ते की शुरुआत हो सकती है और लिव-इन रिलेशनशिप करने वालों के लिए शादी के योग बने। हालांकि फरवरी और सितंबर में रिश्तों में तनाव संभव रहा। शादीशुदा जीवन में भी कुछ मतभेद उभर सकते हैं।

शिक्षा और स्टूडेंट्स : स्टूडेंट्स के लिए यह साल सीखने और अनुभव बढ़ाने वाला रहा। आत्मविश्वास में कमी के बावजूद लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।

मीन

मीन राशि वालों के लिए साल 2026 गहरी इमोशनल हीलिंग, स्पिरिचुअल ग्रोथ और लगातार तरक्की का साल होगा, जिसमें बृहस्पति और शनि का असर करियर, एजुकेशन और हेल्थ में बैलेंस के साथ चैलेंज और मौके लाएगा, खासकर जून से अक्टूबर तक एजुकेशन और जॉब में फायदा होगा, जबकि हेल्थ का ध्यान रखना होगा।

खास बातें :

करियर और बिज़नेस : शनि की वजह से ज़िम्मेदारियां बढ़ेंगी लेकिन लीडरशिप, ग्रोथ और पहचान के मौके मिलेंगे। जून से अक्टूबर तक प्रमोशन और काम के नए मौके मिल सकते हैं।

एजुकेशन : स्टूडेंट्स के लिए साल अच्छा रहेगा, खासकर जून से अक्टूबर तक हायर एजुकेशन और कॉम्पिटिटिव एग्जाम में सफलता मिलेगी। कॉन्सेंट्रेशन बढ़ाना ज़रूरी है।

हेल्थ : आपको हेल्थ पर ध्यान देना होगा, मन और शरीर दोनों में बैलेंस बनाए रखना होगा। शनि और राहु के असर से दांतों या होंठों से जुड़ी दिक्कतें हो सकती हैं, इसलिए साफ-सफाई बनाए रखें।

फाइनेंशियल स्थिति : फाइनेंशियल डिसिप्लिन की ज़रूरत है, खर्चे बढ़ सकते हैं, लेकिन इनकम में बढ़ोतरी की संभावना है।

इमोशनल लाइफ : यह गहरी इमोशनल हीलिंग और सेल्फ-अवेयरनेस का समय है, कॉन्फिडेंस बढ़ेगा और मन की शांति मिलेगी।

उपाय (लाल किताब के अनुसार) :
भगवान हनुमानजी की पूजा करें, केसर का तिलक लगाएं।
बरगद के पेड़ पर नमक, दूध और पानी चढ़ाएं।
गुरुवार को व्रत रखें और पुजारी को कपड़े दान करें।
अंधे, विकलांग और सफाई कर्मचारियों के प्रति दयालु रहें।

लकी रंग : नीला, हरा।

न्यूज ब्रीफ

रिश्वतखोरी : IRS अधिकारी सहित पांच गिरफ्तार

लखनऊ। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने झांसी स्थित केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) कार्यालय में व्याप्त रिश्वतखोरी के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। कार्रवाई के दौरान सीबीआई ने एक आईआरएस अधिकारी, सीजीएसटी के दो अधीक्षक, एक अधिवक्ता और एक निजी कंपनी के मालिक समेत कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई द्वारा जारी बयान के अनुसार आरोप है कि जीएसटी चोरी से जुड़े मामलों में निजी फर्मों को अनुचित लाभ पहुंचाने के बदले करीब डेढ़ करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। जांच में सामने आया कि झांसी सीजीएसटी में तैनात डिप्टी कमिश्नर आईआरएस प्रभा भंडारी ने निजी फर्मों को राहत दिलाने के एवज में 1.5 करोड़ रुपये की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने जाल बिछाकर कार्रवाई की। बुधवार को प्रभा भंडारी के निर्देश पर रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 70 लाख रुपये लेते समय सीजीएसटी के अधीक्षक अनिल तिवारी और अजय कुमार शर्मा को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों के पास से 70 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। इसके बाद सीबीआई ने डिप्टी कमिश्नर प्रभा भंडारी, निजी फर्म के मालिक राजू मंगतानी और बिचौलिये की भूमिका निभाने वाले अधिवक्ता नरेश कुमार गुप्ता को भी हिरासत में ले लिया। सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि आरोपितों के ठिकानों पर की गई तलाशी के दौरान 90 लाख रुपये नकद, संपत्ति से जुड़े अहम दस्तावेज और जेवरात भी बरामद किए गए हैं। अब तक कुल 1.60 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की जा चुकी है और आगे की तलाशी व जांच प्रक्रिया जारी है। सीबीआई के अनुसार सभी गिरफ्तार आरोपितों को मेडिकल परीक्षण के बाद संबंधित न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। एजेंसी का कहना है कि मामले से जुड़े अन्य पहलुओं और संभावित संलिप्त लोगों की भी गहनता से जांच की जा रही है।

एक करोड़ की मार्फिन संग दो तस्कर गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) को बड़ी सफलता मिली है। बुधवार को नगराम थाना क्षेत्र में की गई कार्रवाई के दौरान टीम ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में मार्फिन बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार एएनटीएफ लखनऊ की टीम घुड़सारा पुलिया के पास बड़ी नहर क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध दोपहिया वाहन को रोका गया। तलाशी लेने पर वाहन सवार दो युवकों को हिरासत में लिया गया, जिनकी पहचान कुलदीप सिंह और अंकुश यादव के रूप में हुई। दोनों रायबरेली जनपद के निवासी बताए जा रहे हैं। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से कुल 990 ग्राम मार्फिन बरामद की गई। इसके साथ ही एक दोपहिया वाहन और दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि दोनों आरोपी लंबे समय से नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी में संलिप्त थे और अधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से लखनऊ पहुंचे थे। नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि एएनटीएफ की सूचना पर की गई कार्रवाई में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

2025: अपराधियों पर कसा शिकंजा, 48 अपराधी हुए ढेर

सालभर में 2739 कार्रवाइयों में कुल 3153 बदमाश हुए घायल

अपराधियों की गोली से एक सिपाही हुआ शहीद, 138 घायल

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में वर्ष 2025 पुलिस विभाग के लिए निर्णायक साबित हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति और बढ़े हुए बजट के बल पर पुलिस ने संगठित अपराध, तस्करी और जघन्य वारदातों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया। वर्षभर में हुई 2,739 पुलिस कार्रवाइयों में 48 अपराधी मुठभेड़ में मारे गए, जबकि 3,153 बदमाश घायल हुए। इस दौरान एक पुलिसकर्मी शहीद हुआ और 138 जवान घायल हुए। सख्त कार्रवाई के चलते कई कुख्यात अपराधी प्रदेश छोड़ने को मजबूर हुए। पुलिस के अनुसार वर्षभर में 1,16,877 वाहन, 50.97 करोड़ रुपये नकद, 76.42 करोड़ रुपये के आभूषण, लाखों इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं, भारी मात्रा में मादक पदार्थ और 39.53 करोड़ रुपये की अन्य संपत्ति का निस्तारण कराया गया।

गौवध और तस्करी पर शिकंजा

डीजीपी ने बताया कि गौवध और गौतस्करी से जुड़े 1,197 मुकदमों में 3,128 आरोपितों की गिरफ्तारी हुई। 958 मामलों में चार्जशीट दाखिल की गई। 71 मामलों में 613 अभियुक्तों पर गुंडा एक्ट और 1,273 पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई करते हुए 7.38 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई।

अवैध धर्मांतरण पर कड़ी चोट

इस वर्ष अवैध धर्मांतरण के खिलाफ भी बड़े स्तर पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने छांगुर गैंग का भंडाफोड़ कर उसे जेल भेजा। एक जनवरी से 20 दिसंबर 2025 तक 475 प्रकरण दर्ज कर 655 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से 379 मामलों में आरोप पत्र दाखिल किए जा चुके हैं।

चोरी, लूट और डकैती में बड़ी बरामदगी

पुलिस ने चोरी, लूट, डकैती और नकबजनी के मामलों में 8,543 दोपहिया और 911 चारपहिया वाहन बरामद किए। इसके अलावा 28.69 करोड़ रुपये नकद, 52.27 करोड़ रुपये की ज्वैलरी व नकदी तथा 58.17 करोड़ रुपये की अन्य संपत्ति की बरामदगी की गई।

मालिकों तक पहुंचे 49404 मोबाइल

प्रदेश में 2025 के दौरान 54,995 खोए और चोरी गए मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत 842.57 करोड़ रुपये है। इनमें से 49,404 मोबाइल फोन विधिक प्रक्रिया के बाद उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपे गए।

अपराध दर में उल्लेखनीय गिरावट

पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने पत्रकार वार्ता में बताया कि जुलाई 2023 से अब तक 1,25,985 अपराधियों को न्यायालय से दोषसिद्ध कराया गया, जिनमें 79 को मृत्युदंड मिला। वर्ष 2017 की तुलना में दुष्कर्म की घटनाओं में 53 प्रतिशत, डकैती में 91 प्रतिशत, अपहरण में 17 प्रतिशत और दहेज हत्या में 12 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। एनसीआरबी के आंकड़ों में उत्तर प्रदेश अपराध दर के मामले में 20वें स्थान पर है।

2035 तक एक भी बूंद बर्बाद नहीं होगा पानी

एजेंसी । लखनऊ

वेस्ट वॉटर के शत-प्रतिशत पुनः उपयोग का लक्ष्य तय

जल सुरक्षा की दिशा में सरकार की दीर्घकालिक पहल

उत्तर प्रदेश को जल सुरक्षा और सतत विकास के पथ पर अग्रसर करने के लिए योगी सरकार ने एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार ने वर्ष 2030 तक 50 प्रतिशत और 2035 तक शत-प्रतिशत वेस्ट वॉटर के सुरक्षित पुनः उपयोग का रोडमैप तैयार किया है। इस योजना के तहत उपचारित जल का उपयोग कृषि, उद्योग, नगर निकायों के कार्यों और गैर-पेय घरेलू जरूरतों में किया जाएगा। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार यह पहल जल संरक्षण के साथ-साथ भावी पीढ़ियों के लिए स्थायी जल प्रबंधन की मजबूत नींव रखेगी। सरकार का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि वेस्ट वॉटर को अब बोझ नहीं, बल्कि एक उपयोगी आर्थिक संसाधन के रूप में विकसित किया जाए। इससे भूजल पर निर्भरता घटेगी और पर्यावरणीय संतुलन को मजबूती मिलेगी। राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के परियोजना निदेशक जोगिन्दर सिंह ने बताया कि वेस्ट वॉटर मैनेजमेंट के लिए चरणबद्ध कार्ययोजना लागू की जा रही है। जहां सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और संग्रहण की व्यवस्था उपलब्ध है, वहां 2025 से 2030 के बीच 50 प्रतिशत वेस्ट वॉटर के पुनः उपयोग का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद 2030 से 2035 के बीच क्षमता विस्तार कर शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि जिन क्षेत्रों में अभी उपचार और संग्रहण की सुविधाएं विकसित नहीं हैं, वहां 2045 तक चरणबद्ध तरीके से पहले 30 प्रतिशत, फिर 50 प्रतिशत और अंततः 100 प्रतिशत वेस्ट वॉटर के उपयोग की व्यवस्था की जाएगी। सरकार का मानना है कि यह नीति न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देगी, बल्कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास को भी गति देगी। प्रदेश सरकार का दावा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश जल संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर एक मॉडल राज्य के रूप में उभर रहा है। वेस्ट वॉटर को विकास के संसाधन में बदलने की यह पहल राज्य के लिए दीर्घकालिक सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ लेकर आएगी।

यूपी पुलिस में 32,679 पदों पर की जाएगी सीधी भर्ती

लखनऊ। नए साल की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती–2025 के तहत कुल 32,679 पदों के लिए विज्ञप्ति जारी कर दी है। इसकी जानकारी बोर्ड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के माध्यम से साझा की। बोर्ड के अनुसार इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 31 दिसम्बर 2025 से 30 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल होगी और इसके लिए अभ्यर्थियों को बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा। भर्ती बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि आवेदन से पूर्व वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) कराना अनिवार्य होगा। ओटीआर के बिना किसी भी अभ्यर्थी का आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। पंजीकरण एवं आवेदन से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी uppbpb.gov.in वेबसाइट पर जा सकते हैं।

कैनविज ग्रुप के सीईओ गुलाटी ने की 800 करोड़ की ठगी

यूपी, बिहार और झारखंड में दर्ज हैं 40 आपराधिक मुकदमे

बरेली। कैनविज ग्रुप के सीईओ कन्हैया लाल गुलाटी पर करीब 800 करोड़ रुपये की ठगी करने का गंभीर आरोप सामने आया है। बरेली के थाना बारादरी क्षेत्र से जुड़े इस बहुचर्चित आर्थिक अपराध में गुलाटी के खिलाफ उत्तर प्रदेश समेत तीन राज्यों में कुल 40 आपराधिक मुकदमे दर्ज होने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस के मुताबिक कैनविज इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सीईओ कन्हैया लाल गुलाटी पुत्र चंद्रशेखर गुलाटी, निवासी शहदाना कॉलोनी, स्टेडियम रोड, बरेली के विरुद्ध अकेले बरेली जनपद में 34 मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा शाहजहांपुर में दो, अयोध्या और कासगंज में एक-एक, बिहार के बेरोह जिले में एक तथा झारखंड के रांची जिले में एक मामला पंजीकृत है। सभी प्रकरणों में ठगी और आर्थिक अपराध से जुड़ी गंभीर धाराएं लगाई गई हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय में लंबित मामलों में ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत प्रभावी पैरवी की जा रही है, ताकि अभियुक्त को शीघ्र और कठोर दंड दिलाया जा सके। इसके साथ ही गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के अंतर्गत संपत्ति जब्तीकरण, गैंग पंजीकरण और हिस्ट्रीशीट खोलने की प्रक्रिया भी प्रचलित है।

बारादरी और प्रेमनगर थाने में दर्ज हैं मुकदमे

प्रकरण में कैनविज इंडस्ट्रीज से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी गहन जांच की जा रही है। मौ. यासीन पुत्र लाल मोहम्मद, निवासी उदित पार्क-2, इज्जतनगर के खिलाफ थाना बारादरी में एक मुकदमा दर्ज है। वहीं आशीष महाजन पुत्र स्व. रमेश महाजन, निवासी दीन दयाल पुरम, बारादरी के खिलाफ बारादरी थाने में नौ और प्रेमनगर थाने में एक मामला दर्ज बताया गया है। बरेली परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार साहनी ने सभी मामलों में सख्त कार्रवाई और प्रभावी पैरवी के निर्देश दिए हैं। पुलिस का कहना है कि ठगी के इस कथित बड़े नेटवर्क से जुड़े सभी आरोपितों के खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

व्यापार जगत

साल के आखिरी दिन झूमा शेयर बाजार, सेंसेक्स 762 अंक उछला

तेजी से निवेशकों की संपत्ति में 3.98 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। साल 2025 के अंतिम कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार ने मजबूती का परचम लहराया। आज के कारोबार की शुरुआत सकारात्मक रही और सुबह 10 बजे के करीब खरीदारों के सक्रिय होने से सेंसेक्स और निफ्टी ने जोरदार उछाल लिया। अंततः सेंसेक्स 0.64 प्रतिशत और निफ्टी 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

सेक्टर्स में खरीदारी की लहर

दिनभर के कारोबार में इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार लिवाली देखी गई। मेटल, ऑटोमोबाइल, बैंकिंग, रियल्टी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और हेल्थकेयर इंडेक्स भी मजबूत बंद हुए। वहीं आईटी और टेक सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी खरीदारी बनी रही, जिससे बीएसई मिडकैप 1.01 प्रतिशत और स्मॉलकैप 1.19 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। आज बाजार में आई मजबूती के कारण बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 475.70 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। मंगलवार को यह आंकड़ा 471.72 लाख करोड़ रुपये था। इस प्रकार, निवेशकों को आज करीब 3.98 लाख करोड़ रुपये का फायदा हुआ। बीएसई में आज 4,374 शेयरों में ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,799 शेयर बढ़त के साथ, 1,413 शेयर गिरावट के साथ और 162 शेयर बिना बदलाव के बंद हुए। एनएसई में 2,881 शेयर एक्टिव रहे, जिनमें 2,072 मुनाफे में और 809 नुकसान में बंद हुए। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 बढ़त में और 5 गिरावट में रहे, जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में से 42 हरे निशान में और 8 लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स आज 118.50 अंक ऊपर 84,793.58 पर खुला। सुबह 10 बजे खरीदारों की लिवाली से यह 762.09 अंक बढ़कर 85,437.17 अंक तक पहुंचा। आखिरी कारोबार में मुनाफा वसूली से सेंसेक्स 85,220.60 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी ने 32.20 अंक ऊपर 25,971.05 पर कारोबार शुरू किया।

2026 में भी मजबूती से आगे बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत आने वाले साल 2026 में भी मजबूती बनाए रखने के लिए तैयार है। मजबूत आर्थिक वृद्धि, नियंत्रित महंगाई और सुदृढ़ बैंकिंग प्रणाली जैसे अनुकूल कारक भारत की विकास संभावनाओं को सकारात्मक बनाए हुए हैं। वर्ष 2025 में हासिल हुई आर्थिक रफ्तार को बनाए रखने के लिए सरकार ने सुधारों और निवेश प्रोत्साहन योजनाओं को आगे बढ़ाया है। भाजपा नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार जीवन और कारोबार सुगमता को बढ़ाने के लिए कदम उठा रही है। वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में पूंजीगत व्यय बढ़ाने और निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के उपायों की घोषणा की संभावना है। इससे वैश्विक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत अधिक आकर्षक निवेश गंतव्य बन सकेगा।

जीडीपी और वैश्विक स्थिति

सरकार के बयानों के अनुसार, भारत ने 4.18 ट्रिलियन डॉलर (करीब 350 लाख करोड़ रुपये) की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का मुकाम हासिल किया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि साल 2030 तक भारत 7.3 ट्रिलियन डॉलर (655 लाख करोड़ रुपये) के साथ जर्मनी को भी पीछे छोड़कर तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। आधार वर्ष 2011-12 के आधार पर जीडीपी की वृद्धि लगातार तिमाहियों में बढ़ी है। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में यह 8.2 प्रतिशत पर पहुंच गई। खुदरा मुद्रास्फीति साल 2025 की शुरुआत में 4.26 प्रतिशत थी, जो नवंबर तक घटकर 0.71 प्रतिशत पर आ गई। खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में गिरावट इस कमी का मुख्य कारण रही। सरकार राष्ट्रीय खातों के आधार वर्ष को 2022-23 में बदलने की प्रक्रिया पर काम कर रही है, जिससे जीडीपी गणना में आई अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों का समाधान हो सके। साल 2025 के अंत में जीएसटी दरों में कटौती और नए श्रम संहिताओं का क्रियान्वयन भी सुधारों का हिस्सा हैं। फरवरी में पेश होने वाले केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से अर्थव्यवस्था को गति देने और सुधारों को और मजबूत करने के लिए अतिरिक्त उपायों की घोषणा की व्यापक उम्मीदें हैं। दुनिया की प्रमुख रेटिंग एजेंसियों ने भारत की आर्थिक वृद्धि अनुमान बढ़ाया है। फिच ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 7.4 प्रतिशत, एशियाई विकास बैंक ने 7.2 प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 6.6 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया है। मूडीज ने भारत को जी-20 देशों में सबसे तेज़ बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बताया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान 6.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया है। आरबीआई ने ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती करते हुए उन्हें 5.25 प्रतिशत पर लाया है, जिससे होम लोन और कार लोन सस्ते होने की उम्मीद है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था तेज रफ्तार को तैयार: RBI

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौजूद आर्थिक चुनौतियों और अस्थिरताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत विकास पथ पर आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने भरोसा जताया कि सशक्त घरेलू मांग और निवेश गतिविधियों के सहारे देश की आर्थिक वृद्धि ऊंची बनी रहने की संभावना है। आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (दिसंबर 2025) की भूमिका में गवर्नर ने लिखा कि वित्तीय स्थिरता बनाए रखना और वित्तीय प्रणाली को सुदृढ़ करना केंद्रीय बैंक की प्राथमिक दिशा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वित्तीय स्थिरता अपने आप में अंतिम लक्ष्य नहीं है, बल्कि नवाचार, विकास को बढ़ावा देने, उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा और प्रभावी नियमन व पर्यवेक्षण के माध्यम से वित्तीय प्रणाली की कार्यक्षमता बढ़ाना भी उतना ही आवश्यक है।मल्होत्रा ने कहा कि नीति निर्माताओं की सबसे अहम भूमिका ऐसी वित्तीय प्रणाली को प्रोत्साहित करना है, जो झटकों को सहने में सक्षम हो, सेवाओं के वितरण में दक्ष हो और जिम्मेदार नवाचार को आगे बढ़ाए। उन्होंने बताया कि मजबूत आर्थिक वृद्धि, नियंत्रित मुद्रास्फीति, वित्तीय और गैर-वित्तीय कंपनियों की बेहतर वित्तीय स्थिति, पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार और विवेकपूर्ण नीतिगत सुधारों के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय तंत्र मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। आरबीआई गवर्नर ने यह भी कहा कि भले ही बाहरी कारकों से अल्पकालिक चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं, लेकिन उन्हें ध्यान में रखते हुए अर्थव्यवस्था की सुरक्षा और स्थिरता के लिए निरंतर ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

IGL ने घटाए दाम, नए साल से PNG सस्ती

नई दिल्ली। नए वर्ष की पूर्व संध्या पर इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने उपभोक्ताओं को राहत देते हुए पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की कीमतों में कटौती का ऐलान किया है। कंपनी ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में पीएनजी के दाम 70 पैसे प्रति घन मीटर घटाने का निर्णय लिया है। संशोधित दरें 1 जनवरी, 2026 से प्रभावी होंगी। आईजीएल की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, मूल्य कटौती के बाद राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में पीएनजी की कीमत घटकर 47.89 रुपये प्रति घन मीटर हो जाएगी। वहीं, गुरुग्राम में उपभोक्ताओं को 46.70 रुपये प्रति घन मीटर और नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 47.76 रुपये प्रति घन मीटर की दर से गैस उपलब्ध होगी। कंपनी ने कहा कि यह कदम स्वच्छ और हरित ऊर्जा को आम लोगों के लिए अधिक सुलभ और किफायती बनाने की दिशा में उठाया गया है। आईजीएल ने वर्ष 2026 में प्रवेश करते हुए पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

कीर्तिमानः NSE इमर्ज पर 700वीं SME कंपनी सूचीबद्ध

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के एसएमई प्लेटफॉर्म 'एनएसई इमर्ज' ने एक और अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। मंच पर 700वीं लघु एवं मध्यम उद्यम (एसएमई) कंपनी की लिस्टिंग पूरी होने के साथ ही यह प्लेटफॉर्म छोटे कारोबारों को पूंजी बाजार से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। एनएसई की ओर से जारी बयान के अनुसार, इमर्ज प्लेटफॉर्म पर वर्तमान में विभिन्न क्षेत्रों की कुल 700 कंपनियां सूचीबद्ध हैं। इन कंपनियों ने अब तक लगभग 21,252 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई है, जबकि इनका संयुक्त बाजार पूंजीकरण करीब 2.22 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। यह आंकड़े एसएमई क्षेत्र में निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाते हैं। इस उपलब्धि पर एनएसई के चीफ बिजनेस डेवलपमेंट ऑफिसर श्रीराम कृष्णन ने कहा कि फरवरी में 600वीं और दिसंबर में 700वीं लिस्टिंग का लक्ष्य हासिल होना इस मंच की मजबूती और विश्वसनीयता का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि पूंजी बाजार नियामक सेबी द्वारा मार्च में किए गए नियामकीय सुधार, सख्त जांच व्यवस्था और बेहतर कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर निरंतर ध्यान देने से एसएमई आईपीओ बाजार अधिक परिपक्व और पारदर्शी हुआ है। उल्लेखनीय है कि एनएसई इमर्ज, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की एक विशेष पहल है, जिसका उद्देश्य लघु एवं मध्यम उद्योगों और स्टार्टअप्स को पूंजी जुटाने के लिए संगठित बाजार उपलब्ध कराना है। यह मंच एसएमई कंपनियों को निवेशकों से सीधे जुड़ने और अपने कारोबार के विस्तार के लिए नए अवसर प्रदान कर रहा है।

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

इंडिया और वर्ल्ड

मुंबई, गुरुवार, 1 जनवरी 2026

निमेसुलाइड दवा पर बैन

सरकार ने 100 mg से अधिक की दर्द निवारक दवा के बनाने-बेचने पर तुरंत प्रभाव से लगाई रोक

बुखार-दर्द में तेजी से राहत देती है, लेकिन ज्यादा डोज से लिवर को खतरा

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने निमेसुलाइड दवा (पेन किलर) को लेकर बड़ा कदम उठाया है। स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने 100 mg से अधिक मात्रा वाली निमेसुलाइड की ओरल दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर तुरंत प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। यह फैसला ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 26A के तहत लिया गया है। सरकार का कहना है कि इतनी अधिक मात्रा वाली यह दवा मानव स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरी हो सकती है और इसके सुरक्षित विकल्प बाजार में उपलब्ध हैं।

दुनिया भर में जांच हो रही

दरअसल, निमेसुलाइड एक नॉन-स्टेरॉयडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवा है, जिसकी लिवर पर संभावित टॉक्सिसिटी और दूसरे बुरे असर के लिए दुनिया भर में जांच हो रही है और यह कदम सेफ्टी स्टैंडर्ड को कड़ा करने और ज्यादा खतरे वाली दवाओं को धीरे-धीरे खत्म करने की कोशिशों के मुताबिक है।

क्यों लगाया गया बैन?

हेल्थ मिनिस्ट्री के नोटिफिकेशन के अनुसार, 100 mg से अधिक मात्रा वाली निमेसुलाइड दवा इंसानों के लिए खतरा पैदा कर सकती है। यह एक नॉन-स्टेरॉयडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग (NSAID) है, जिसकी लिवर पर संभावित टॉक्सिसिटी और अन्य दुष्प्रभावों को लेकर दुनिया भर में जांच हो रही है। सरकार ने ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड से सलाह लेने के बाद यह फैसला किया है। आदेश के मुताबिक, यह प्रतिबंध पूरे देश में तुरंत लागू होगा। कम डोज़ वाले फॉर्मूलेशन और अन्य सुरक्षित विकल्प बाजार में उपलब्ध रहेंगे। हेल्थ मिनिस्ट्री के एक नोटिफिकेशन में कहा गया कि ₹100 mg से ज्यादा निमेसुलाइड वाले सभी ओरल फॉर्मूलेशन, जो तुरंत रिलीज़ होने वाले डोज के रूप में होते हैं, इंसानों के लिए खतरा हो सकता है और इसके सुरक्षित विकल्प मौजूद हैं।इ सरकार ने स्पष्ट किया है कि जनहित में यह कदम उठाया गया है ताकि लोगों की सेहत को किसी तरह का खतरा न हो।

2011 में 12 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए किया गया था बैन

निमेसुलाइड को लेकर लंबे समय से चिंताएं जताई जाती रही हैं। साल 2011 में स्वास्थ्य मंत्रालय ने 12 साल से कम उम्र के बच्चों में निमेसुलाइड के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद जनवरी 2025 में सरकार ने पशुओं के लिए निमेसुलाइड की सभी दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर रोक लगा दी थी। बाजार से जुड़े आंकड़ों के अनुसार, भारत में निमेसुलाइड दवाओं का बाजार करीब 497 करोड़ रुपये का है और पिछले 12 महीनों में इसमें 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह आंकड़े मार्केट रिसर्च फर्म फार्माट्रैक के हैं।

फार्मा कंपनियों पर असर

निमेसुलाइड ब्रांड की मार्केटिंग करने वाली कंपनियों को उत्पादन रोकना होगा और प्रभावित बैचों को वापस मंगाना होगा। एनालिस्ट्स का अनुमान है कि बड़ी कंपनियों पर इसका वित्तीय असर सीमित रहेगा क्योंकि निमेसुलाइड कुल NSAID बिक्री का छोटा हिस्सा है। हालांकि, छोटी कंपनियों को राजस्व पर दबाव का सामना करना पड़ सकता है। सरकार ने पहले भी सेक्शन 26A के तहत कई हाई-रिस्क दवाओं और फिक्स्ड-डोज़ कॉम्बिनेशन पर बैन लगाया है।

मैदानी राज्यों में शीतलहर-कोहरा से ठंड, कश्मीर में बर्फबारी

पंजाब-हरियाणा में शीतलहर से ठंड बढ़ी

कई हिस्सों में बारिश की संभावना

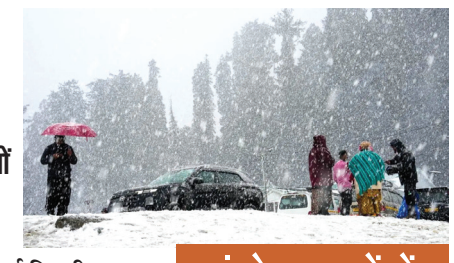

एजेंसी । नई दिल्ली

नए साल की शुरूआत में देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम ने मिजाज बदला है। कश्मीर की ऊंची चोटियों पर ताजा बर्फबारी हुई है। वहीं, राजस्थान, पंजाब-हरियाणा और पश्चिम बंगाल में शीतलहर है। कई इलाकों में तापमान गिरा है। साथ ही कोहरे और हल्की बारिश की भी संभावना जताई गई है। पंजाब और हरियाणा में भी ठंड का असर बना हुआ है। अमृतसर, लुधियाना, पटियाला और बठिंडा समेत कई शहरों में न्यूनतम तापमान सामान्य से थोड़ा ऊपर रहा, लेकिन ठंडी हवाओं से सिहरन महसूस की गई।

ऊंचे इलाकों में बर्फबारी

कश्मीर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ताजा हिमपात हुआ है। गुलमर्ग, गुरेज और माछिल समेत कई इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी दर्ज की गई। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में घाटी के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी की संभावना जताई है, जबकि कुछ ऊंचे इलाकों में भारी हिमपात भी हो सकता है। हालांकि, बादलों की वजह से रात का तापमान सामान्य से ऊपर बना हुआ है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 2.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से करीब पांच डिग्री ज्यादा है।

राजस्थान में करौली सबसे ठंडा

राजस्थान में करौली सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अलवर, दौसा, टोंक, चूरू और भीलवाड़ा में भी ठंड बढ़ी है। जयपुर में रात का तापमान 11.4 डिग्री रहा। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के असर से बीकानेर, जयपुर और भरतपुर संभाग में हल्की बारिश हो सकती है। एक से तीन जनवरी के बीच प्रदेश के कई हिस्सों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारतीय अर्थव्यवस्था उच्च वृद्धि के रास्ते पर

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि अस्थिर एवं प्रतिकूल बाहरी कारकों के बावजूद भारतीय

अर्थव्यवस्था के मजबूत घरेलू खपत और निवेश के दम पर उच्च वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है। आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट की भूमिका में मल्होत्रा ने लिखा है, वित्तीय स्थिरता बनाए रखना और वित्तीय प्रणाली को मजबूत करना हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत बना हुआ है। मल्होत्रा ने कहा कि मजबूत वृद्धि, कम मुद्रास्फीति, वित्तीय व गैर-वित्तीय कंपनियों का बेहतर बही-खाता, पर्याप्त भंडार और सूझ-बूझ वाले नीति सुधारों से भारतीय अर्थव्यवस्था तथा वित्तीय प्रणाली मजबूत बनी हुई है।

कई उपकरणों पर स्टार रेटिंग अनिवार्य

नई दिल्ली। सरकार ने एक जनवरी से रेफ्रिजरेटर, टीवी, एलपीजी गैस चूल्हा एवं कूलिंग टॉवर जैसे कई उपकरणों पर ऊर्जा दक्षता वाली स्टार रेटिंग को अनिवार्य कर दिया है। बिजली मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) की गजट अधिसूचना के मुताबिक, इस नए नियम का विस्तार डीप फ्रीजर, वितरण ट्रांसफॉर्मर और ग्रिड से जुड़े सोलर इनवर्टर पर भी होगा। उल्लेखनीय है कि बीईई का स्टार रेटिंग ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने वाले प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। इसके तहत उपकरणों पर एक से पांच स्टार की रेटिंग दी जाती है जो बताता है कि संबंधित उपकरण कितनी बिजली खपत करेगा। पहले फ्रॉस्ट-फ्री एवं डायरेक्ट कूल रेफ्रजरेटर, डीप रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर (कैसेट, फ्लोर स्टैंडिंग टावर, सीलिंग, कॉर्नर एसी), रंगीन टीवी और अल्ट्रा एचडी टीवी जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर स्टार रेटिंग को दर्शाना स्वैच्छिक था। पहले भी रूम एयर कंडीशनर, इलेक्ट्रिक सीलिंग फैन, इलेक्ट्रिक वॉटर हीटर, वाशिंग मशीन, ट्यूबलर फ्लोरसेंट लैंप और सेल्फ-बैलास्टेड एलईडी लैंप पर स्टार-रेटिंग अनिवार्य था।

ट्रंप प्रशासन ने मिनेसोटा के चाइल्ड केयर फंड पर लगाई रोक

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार को हाल के वर्षों में कई गबन के मामलों के बाद मिनेसोटा प्रांत के चाइल्ड केयर फंड पर रोक लगा दी। अमेरिकी स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग के उप सचिव जिम ओ'नील ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि खुले तौर पर हुए गबन को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। यह घोषणा सुरक्षा एजेंसियों द्वारा मामले में की गई पूछताछ के एक दिन बाद की गई। वहीं, मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज ने इस फैसले का विरोध करते हुए एक्स पर कहा कि यह एक गंभीर मामला है और राज्य प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन आवश्यक फंड पर रोक लगाकर इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहा है।

शाह का मिशन बंगाल

पुराने-नए नेताओं को एक मंच पर लाने की कोशिश

एजेंसी । कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर भाजपा की राज्य इकाई की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान पार्टी ने एकजुटता का संदेश देते हुए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष को प्रमुख चुनावी चेहरों में से एक के रूप में आगे किया। शाह ने मौजूदा और पूर्व जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर आगामी चुनाव के लिए स्पष्ट कार्ययोजना रखी और संगठन को सक्रिय मोड में लाने पर जोर दिया। बैठक में सांसदों, विधायकों, नगर निकाय पार्षदों और संगठनात्मक पदाधिकारियों को जनसंपर्क मजबूत करने के निर्देश दिए गए। शाह ने कहा कि जनप्रतिनिधि सप्ताह में कम से कम चार दिन क्षेत्र में बिताएं और प्रतिदिन न्यूनतम पांच नुक्कड़ सभाएं करें। पार्टी नेताओं को यह भी स्पष्ट किया गया कि अगले दो महीनों में अपनी उपयोगिता साबित करना टिकट की पात्रता से जुड़ा होगा।

पुराने-नए नेतृत्व के बीच संवाद का संकेत

सूत्रों के अनुसार, शाह ने एक अलग बैठक भी की, जिसमें दिलीप घोष के साथ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, मौजूदा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी शामिल रहे। इसे पार्टी के पुराने और नए नेतृत्व के बीच मतभेद कम करने की पहल माना जा रहा है। बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक सुनील बंसल, भूपेंद्र यादव, बिप्लब देब और अमित मालवीय भी मौजूद थे।

घोष की सक्रिय वापसी, आक्रामक प्रचार की तैयारी

बैठक के बाद दिलीप घोष ने संकेत दिया कि 2026 के चुनाव में वे सक्रिय भूमिका निभाएंगे। पार्टी नेताओं के मुताबिक, घोष की आक्रामक प्रचार शैली को चुनावी रणनीति में फिर से इस्तेमाल करने की योजना है। घोष को भाजपा का सबसे सफल प्रदेश अध्यक्ष माना जाता है, जिनके नेतृत्व में पार्टी ने विधानसभा में सीटों की संख्या तीन से बढ़ाकर 70 से अधिक की और 2019 में 18 लोकसभा सीटें जीती थीं।

रूसी ड्रोन हमले में यूक्रेन का ओडेसा दहला

कीव। रूस के ड्रोन हमलों ने दक्षिणी यूक्रेन के ओडेसा शहर को बुधवार तड़के दहला दिया। रूसी सेना ने रिहायशी इमारतों और बिजली ग्रिड को निशाना बनाया गया, जिसमें तीन बच्चे समेत छह लोग घायल हो गए। ओडेसा क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख ओलेह कीपर के अनुसार, बमबारी में चार रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा। बिजली कंपनी डीटीईके ने कहा कि उसकी दो ऊर्जा इकाइयों को गंभीर क्षति हुई है। लगातार ड्रोन और मिसाइल हमले ऐसे समय में हो रहे हैं, जब संघर्ष रोकने के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज हुए हैं। यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार, रूस ने रातभर में 127 ड्रोन दागे, जिनमें से 101 को मार गिराया गया।

26 जनवरी परेड में इस बार शामिल होंगे सेना के मूक योद्धा

देशी नस्ल के कुत्ते, बैक्ट्रियन ऊंट, पोनी घोडी और शिकारी पक्षी

एजेंसी । नई दिल्ली

इस बार गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर एक अनोखा और भावनात्मक दृश्य देखने को मिलेगा। भारतीय सेना का पशु दस्ता पहली बार इतने बड़े और संगठित स्वरूप में परेड का हिस्सा बनेगा। इस विशेष दस्ते में दो बैक्ट्रियन ऊँट, चार ज़ांस्कर पोनी, चार शिकारी पक्षी (रैप्टर्स), 10 भारतीय नस्ल के सैन्य कुत्ते और पहले से सेवा में लगे छह पारंपरिक सैन्य कुत्ते शामिल होंगे। यह दस्ता सेना की ताकत के साथ-साथ पशुओं के योगदान को भी रेखांकित करेगा।

ऊँट और ज़ांस्कर पोनी : लद्दाख-सियाचिन के भरोसेमंद साथी

परेड की अगुवाई करेंगे बैक्ट्रियन ऊँट, जो लद्दाख के ठंडे रेगिस्तानी इलाकों में तैनात हैं। ये ऊँट 15 हजार फीट से अधिक ऊँचाई और अत्यधिक ठंड में 250 किलो तक भार ढोने में सक्षम हैं। इनके बाद कदम से कदम मिलाकर चलेंगी ज़ांस्कर पोनी, जो लद्दाख की दुर्लभ स्वदेशी नस्ल हैं। माइनस 40 डिग्री तापमान में भी 40 से 60 किलो वजन लेकर लंबी दूरी तय करने वाली ये पोनी सियाचिन जैसे दुर्गम इलाकों में सैनिकों के साथ लगातार सेवा दे रही हैं। परेड में शामिल चार शिकारी पक्षी सेना की आधुनिक रणनीति का प्रतीक हैं, जिनका उपयोग निगरानी और हवाई सुरक्षा में किया जाता है। वहीं, "मूक योद्धा" कहलाने वाले सैन्य कुत्ते इस दस्ते का सबसे भावुक हिस्सा होंगे। मेरठ स्थित रिमाउंट एंड वेटरनरी कॉर्प्स में प्रशिक्षित ये कुत्ते आतंकवाद विरोधी अभियानों, विस्फोटक पहचान, खोज-बचाव और आपदा राहत कार्यों में अहम भूमिका निभाते हैं।

पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव में उतर सकती है कांग्रेस

एजेंसी । नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस अब पश्चिम बंगाल में अपनी चुनावी रणनीति पर पुनर्विचार कर रही है। पार्टी इस बार वाम मोर्चा के साथ गठबंधन करने के बजाय अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी में दिख रही है। कांग्रेस को आशंका है कि बंगाल में गठबंधन का सीधा असर केरल में वाम मोर्चा के खिलाफ उसके राजनीतिक रुख को कमजोर कर सकता है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और वाम मोर्चा लंबे समय से साथ चुनाव लड़ते रहे हैं, लेकिन परिणाम लगातार खराब हुए हैं। वर्ष 2016 में कांग्रेस को 44 और वाम मोर्चा को 26 सीटें मिली थीं, जबकि 2021 में दोनों को एक भी सीट नहीं मिली। वहीं, 2016 में महज तीन सीटें जीतने वाली भाजपा 2021 में 38 फीसदी वोट के साथ 77 सीटों तक पहुंच गई।

केरल पर भी पड़ा नकारात्मक असर

इस गठबंधन का नुकसान कांग्रेस को केरल में भी उठाना पड़ा। केरल में कांग्रेस की अगुआई वाली यूडीएफ और वाम मोर्चा का एलडीएफ आमने-सामने हैं। दोनों राज्यों में लगभग एक ही समय चुनाव होने के कारण एक राज्य में गठबंधन और दूसरे में विरोधाभासी राजनीति से कांग्रेस कमजोर पड़ी। 2021 में वाम मोर्चा ने 40 साल का रिकॉर्ड तोड़ते हुए लगातार दूसरी बार सरकार बनाई, जबकि कांग्रेस सत्ता से दूर रह गई। कांग्रेस अब 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अकेले उतरने की दिशा में कदम बढ़ा रही है।

चुनाव कर्मचारियों की सुरक्षा पर आयोग सख्त

अभिषेक बनर्जी के आरोपों पर कहा- धमकी बर्दाश्त नहीं

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल में चुनावी तैयारियों के बीच चुनाव आयोग ने बड़ा और सख्त संदेश दिया है। आयोग ने साफ कहा है कि चुनाव ड्यूटी में लगे किसी भी कर्मचारी को डराने-धमकाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चाहे वह बीएलओ हों, ईआरओ, एईआरओ या ऑब्जर्वर। सभी की सुरक्षा और सम्मान सर्वोपरि है। बता दें, आज टीएमसी दल का प्रतिनिशि मंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकाता की थी। इसके बाद उन्होंने बाहर आकर आयोग पर कई सवाल उठाए। वहीं, चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रतिनिधिमंडल को स्पष्ट रूप से बताया कि राज्य सरकार को तुरंत प्रत्येक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को बढ़ा हुआ मानदेय जारी करना चाहिए, जिसे आयोग की मंजूरी मिल चुकी है।

बीएलओ का मानदेय तुरंत जारी करने के निर्देश

चुनाव आयोग ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार को बिना किसी देरी के बीएलओ को स्वीकृत बढ़ा हुआ मानदेय जारी करना चाहिए। बीएलओ चुनावी व्यवस्था की रीढ़ हैं और उनके अधिकारों व सुविधाओं की अनदेखी चुनावी निष्पक्षता को प्रभावित कर सकती है।

ऊंची इमारतों और झुग्गियों में भी बूथ

टीएमसी प्रतिनिधिमंडल को आयोग ने जानकारी दी कि मतदाताओं की सुविधा के लिए ऊंची आवासीय इमारतों, गेटेड कॉलोनियों और झुग्गी-बस्तियों में भी मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। इसका उद्देश्य यह है कि किसी भी मतदाता को वोट डालने में परेशानी न हो और मतदान प्रतिशत बढ़े।

कठुआ में आतंकी नेटवर्क के 39 ओवरग्राउंड वर्करों की पहचान

एजेंसी । कठुआ/जम्मू

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में पुलिस ने वर्ष 2025 के दौरान आतंकवाद से जुड़े नेटवर्क के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की। इस अभियान में 39 ओवरग्राउंड वर्करों (ओजीडब्ल्यू) की पहचान की गई, जिनमें से 18 को कड़े सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत जेल भेजा गया। कठुआ की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मोहित शर्मा ने वार्षिक अपराध रिपोर्ट में बताया कि वर्ष 2025 में जिले में आतंकवाद से जुड़े चार मामले दर्ज किए गए।

ड्रोन से नशा तस्करी का खुलासा

पुलिस ने ड्रोन के जरिए मादक पदार्थ गिराने के एक मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज इस केस में 447 ग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया गया है और अब तक आठ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

साइबर अपराध और आपदा में राहत कार्य

साइबर अपराध के मामलों में प्रभावी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने करीब चार करोड़ रुपये की ठगी की रकम बरामद कर पीड़ितों को लौटाई। इसके अलावा, जिले में आई बाढ़ के दौरान पुलिस ने अन्य एजेंसियों के सहयोग से 263 लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर राहत पहुंचाई।

सैन्य ताकत | 7500 kmph की रफ्तार, 1000 kg बारूद ले जा सकेगी

एक लॉन्चर से बैक-टु-बैक 2 प्रलय मिसाइल लॉन्च

पाकिस्तान के 10 बड़े शहर निशाने पर

एजेंसी । नई दिल्ली

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने बुधवार को इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज, चांदीपुर से एक ही लॉन्चर से दो प्रलय मिसाइलों का लगातार लॉन्च सफलतापूर्वक किया गया। डीआरडीओ की तरफ से बताया गया कि यह फ्लाइट टेस्ट यूजर इवैल्यूएशन ट्रायल के हिस्से के तौर पर किया गया। दोनों मिसाइलों ने तय रास्ते का पालन किया और सभी फ्लाइट उद्देश्यों को पूरा किया।

टेलीमेट्री सिस्टम से हुई पुष्टि

रक्षा मंत्रालय के अनुसार डीआरडीओ ने 31 दिसंबर, 2025 को लगभग 10.30 बजे ओडिशा के तट से एक ही लॉन्चर से दो प्रलय मिसाइलों का एक साथ सफल लॉन्च किया। यह फ्लाइट-टेस्ट यूजर इवैल्यूएशन ट्रायल के हिस्से के तौर पर किया गया था। इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज, चांदीपुर की तरफ से लगाए गए ट्रैकिंग सेंसर से पुष्टि हुई कि दोनों मिसाइलों ने तय रास्ते का पालन किया। इसके अलावा, सभी फ्लाइट उद्देश्यों को पूरा किया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इम्पैक्ट पॉइंट्स के पास तैनात जहाज पर लगे टेलीमेट्री सिस्टम ने आखिरी घटनाओं की पुष्टि की।

क्या है प्रलय की खासियत?

प्रलय एक शॉर्ट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल है जिसकी स्ट्राइक क्षमता 150 km से 500 km बताई जाती है। पारंपरिक युद्ध के लिए डिजाइन की गई यह मिसाइल रडार इंस्टॉलेशन, कमांड सेंटर और एयरस्ट्रिप जैसे रणनीतिक लक्ष्यों पर हाई-प्रिसिशन हमले करने में सक्षम है। स्वदेशी टेक्नोलॉजी से डेवलप की गई यह मिसाइल घरेलू रक्षा मैन्युफैक्चरिंग को मजबूत करने और इंपोर्टेड सिस्टम पर निर्भरता कम करने के लिए DRDO के प्रयासों को दिखाती है। यह हथियार सिस्टम 500 किलोग्राम से 1,000 किलोग्राम वजन का पारंपरिक वॉरहेड ले जा सकता है।

ईडी ने बकिंघम पैलेस के पास 150 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी और धनशोधन मामले में लंदन में बकिंघम पैलेस के पास स्थित करीब 150 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्ति को कुर्क किया है। यह कार्रवाई कपड़ा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड और उसके पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक नितिन कासलीवाल से जुड़े मामले में की गई है। ईडी ने बताया कि पीएमएलए के तहत मंगलवार को अस्थायी कुर्की आदेश जारी किया गया। जांच एजेंसी के अनुसार, यह उच्च मूल्य वाली संपत्ति नितिन शंभुकुमार कासलीवाल और उनके परिवार के सदस्यों के लाभकारी स्वामित्व में है। ईडी के मुताबिक, नितिन कासलीवाल पर भारतीय बैंकों के एक संघ से करीब 1,400 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है।

खबर चुनावी है

राज ठाकरे की पार्टी के लिए खुशखबरी

मुंबई। महाराष्ट्र महानगर पालिका चुनाव से जुड़ी दिलचस्प जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, बीएमसी के वार्ड 211 और 212 में बीजेपी का कोई उम्मीदवार ही नहीं होगा। दोनों वार्ड में बीजेपी के उम्मीदवार का नामांकन स्वीकार नहीं किया गया। 211 वार्ड में बीजेपी उम्मीदवार के दस्तावेज पूरे नहीं थे। वहीं, 212 वार्ड से बीजेपी की उम्मीदवार नामांकन के लिए 15 मिनट लेट पहुंचीं। वार्ड नंबर 212 से ठाकरे बंधुओं की तरफ से MNS ने श्रावणी हलदणकर को मैदान में हैं। ऐसे में बीजेपी का उम्मीदवार यहां नहीं होने की वजह से श्रावणी जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं, ये राज ठाकरे के लिए एक तरह से खुशखबरी है।

कल्याण डोंबिवली के बाद पनवेल में भी बीजेपी ने खोला खाता

कल्याण। कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका के चुनाव में बीजेपी ने जीत की हैट्रिक लगा दी है। तीन वार्ड में बीजेपी के उम्मीदवार निर्विरोध जीत गए हैं। वार्ड नंबर 18 से रेखाताई चौधरी, वार्ड नंबर 26-C से असावरिताई केदार और वार्ड नंबर 26 B से रंजना मीतेश पेनकर ने जीत दर्ज की है। वहीं बिना चुनाव हुए ही अब पनवेल महानगर पालिका में बीजेपी ने खाता खोल लिया है। पनवेल के वार्ड नंबर 18 से बीजेपी के उम्मीदवार नितिन पाटिल ने निर्विरोध जीत हासिल की है।

बीजेपी-शिवसेना को लगा बड़ा झटका

पिंपरी चिंचवड। पिंपरी चिंचवड महानगरपालिका में बीजेपी और एकनाथ शिंदे की शिवसेना को बड़ा झटका लगा है. यहां तीन बीजेपी और दो शिवसेना के उम्मीदवारों का नामांकन रद्द हो गया है. पिंपरी चिंचवड में बीजेपी और शिवसेना मिलकर चुनाव लड़ रही है.

नागपुर शिवसेना यूबीटी में बगावत

नागपुर। राजनीति में महाविकास आघाड़ी (MVA) के बीच सीटों का तालमेल बिगड़ने के बाद अब शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के भीतर ही अंदरूनी कलह खुलकर सामने आ गई है। रमना मारोतीनगर-दिघोरी के प्रभाग-28 में पार्टी के दो कद्दावर नेताओं, शहर प्रमुख नितिन तिवारी और पूर्व उपमहापौर किशोर कुमेरिया के बीच मचे घमासान ने संगठन की एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह विवाद इतना बढ़ गया है कि इसकी गूंज अब मुंबई स्थित 'मातोश्री' तक जा पहुँची है। विवाद की जड़ें मंगलवार सुबह से जुड़ी हैं, जब कांग्रेस के साथ गठबंधन टूटने की खबरें पुख्ता हुईं। इसके तुरंत बाद यूबीटी नेतृत्व ने अपने कार्यकर्ताओं को निर्दलीय या अपने स्तर पर पर्चा भरने के निर्देश दिए। प्रभाग-28 में समीकरण यह था कि किशोर कुमेरिया हमेशा की तरह ओबीसी (OBC) आरक्षित सीट से चुनाव लड़ेंगे और ओपन (सामान्य) सीट पर शहर प्रमुख नितिन तिवारी अपनी किस्मत आजमाएंगे। हैरानी की बात तब हुई जब कुमेरिया ने कथित तौर पर मुंबई से आए पार्टी पर्यवेक्षक से ओपन सीट का 'एबी फॉर्म' हासिल कर लिया और तिवारी से पहले जाकर अपना नामांकन दाखिल कर दिया। जब नितिन तिवारी अपना फॉर्म जमा करने पहुंचे, तब उन्हें पता चला कि कुमेरिया ने पहले ही बाजी पलट दी है।

क्या बोलती पब्लिक

महानगर की असली धड़कन युवा हैं। अब वक्त आ गया है कि शहर के फैसले लेने वाली कुर्सियों पर भी युवाओं की आवाज़ गूंजे। नगर निगम चुनाव में हमें सिर्फ़ वादों से नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदारी और निर्णायक भूमिका से मतलब है।

-शीतल सिंह, मीरा रोड

महानगर की असली धड़कन युवा हैं। अब वक्त आ गया है कि शहर के फैसले लेने वाली कुर्सियों पर भी युवाओं की आवाज़ गूंजे। नगर निगम चुनाव में हमें सिर्फ़ वादों से नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदारी और निर्णायक भूमिका से मतलब है।

– प्रीति श्रीवास्तव, मीरा रोड

हमें भेजें

अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।

कलीना विधानसभा क्षेत्र

कौन होगा कलीना का नगीना

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई की उत्तर भारतीय बहुल कलीना विधानसभा सीट पर चुनावी पारा चढ़ गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में कंधे से कंधा मिलाकर लड़ने वाले महाविकास आघाडी के दो प्रमुख घटक दल, उद्धव ठाकरे की शिवसेना और कांग्रेस, अब आगामी बीएमसी चुनाव में एक-दूसरे के खिलाफ ताल ठोकेंगे। विधानसभा चुनाव में एकजुटता के कारण संजय पोटनीस ने जीत दर्ज की थी, लेकिन अब कांग्रेस द्वारा अकेले चुनाव लड़ने के ऐलान ने स्थानीय राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह उलझा दिया है।

जातीय समीकरणों का दिलचस्प गणित

कलीना का चुनावी मैदान काफी हद तक झोपड़पट्टी क्षेत्रों के मतदाताओं पर निर्भर करता है। यहाँ की जनसांख्यिकी पर नजर डालें तो 37% मराठी वोटरों के साथ-साथ 24% मुस्लिम और 15% उत्तर भारतीय मतदाताओं का बड़ा प्रभाव है। इसके अलावा 8.5% क्रिश्चियन और करीब 10% गुजराती, मारवाड़ी व दक्षिण भारतीय वोटर भी यहाँ हार-जीत का फैसला करते हैं। 2009 में यहाँ से कृपाशंकर सिंह की बड़ी जीत ने यह साबित कर दिया था कि उत्तर भारतीय और मुस्लिम वोटों का मेल किसी भी उम्मीदवार की नैया पार लगा सकता है।

वोट बैंक में सेंधमारी की चुनौती

पिछले चुनाव में गठबंधन होने के कारण उद्धव सेना को कांग्रेस के पारंपरिक मुस्लिम वोटों का सीधा लाभ मिला था, जिससे उनकी जीत आसान हो गई थी। अब जबकि दोनों दल अलग-अलग मैदान में होंगे, सबसे बड़ा सवाल मुस्लिम मतदाताओं के झुकाव को लेकर है। क्षेत्र में 24% मुस्लिम आबादी है, जो अब दो विकल्पों के बीच बंटी नजर आ सकती है। इसके साथ ही 15% उत्तर भारतीय मतदाता भी निर्णायक भूमिका में हैं, जिन्हें रिझाने के लिए दोनों दलों के उत्तर भारतीय नेताओं ने अपनी सक्रियता तेज कर दी है।

दलबदल और भविष्य की संभावनाएं

शिवसेना में हुई टूट के बाद जहाँ उद्धव गुट के नगरसेवक वफादार बने हुए हैं, वहीं मनसे के नगरसेवक ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का दामन थाम लिया है। कांग्रेस के दोनों पूर्व नगरसेवक भी फिलहाल अपनी पार्टी के साथ मजबूती से खड़े हैं। ऐसे में कलीना की गलियों में होने वाला यह बहुकोणीय मुकाबला न केवल स्थानीय मुद्दों पर लड़ा जाएगा, बल्कि यह महाविकास आघाडी की एकता और भविष्य की रणनीतियों के लिए भी एक लिटमस टेस्ट साबित होगा।

वॉर्ड-वार चुनावी विश्लेषण

- **1. प्रभाग क्रमांक 89 (कलिना - ओल्ड सी.एस.टी. रोड):** इस प्रभाग के राजनीतिक समीकरणों में बड़ा बदलाव आया है। 2017 में यह सीट 'एस. सी. महिला' के लिए आरक्षित थी, जहाँ से तुलसाबाई शिंदे (शिवसेना UBT) नगरसेविका चुनी गई थीं। अब 2025 के लिए इसे 'सर्वसामान्य महिला' (G L) श्रेणी में बदल दिया गया है। कांग्रेस ने यहाँ से कमलेश चौरसिया को मैदान में उतारा है, जबकि उद्धव सेना अपनी मौजूदा पकड़ बनाए रखने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। आरक्षण बदलने से यहाँ अब सामान्य श्रेणी की महिला उम्मीदवारों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा होगी।

- **2. प्रभाग क्रमांक 90 (कलिना - एयर इंडिया रोड):** प्रभाग 90 में निरंतरता देखी जा रही है क्योंकि 2017 की तरह 2025 में भी यह 'सर्वसामान्य महिला' (G L) के लिए आरक्षित है। वर्तमान में यहाँ का प्रतिनिधित्व सुषमा रायडू (शिंदे सेना) कर रही हैं। कांग्रेस की ओर से एडवोकेट टुलिप मिरांडा एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरी हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी (आठवले) ने श्रावण मोरे को यहाँ से टिकट दिया है। यह वॉर्ड कलिना के सबसे सक्रिय क्षेत्रों में से एक है, जहाँ कैथोलिक और मध्यमवर्गीय मतदाताओं की संख्या निर्णायक भूमिका निभाती है।

- **3. प्रभाग क्रमांक 91 (कलिना - सांताक्रूज पूर्व):** यह प्रभाग अपनी 'सर्वसामान्य' (GENERAL) श्रेणी को बरकरार रखे हुए है, जिसका अर्थ है कि यहाँ महिला या पुरुष कोई भी उम्मीदवार चुनाव लड़ सकता है। वर्तमान नगरसेवक सगुणा नायक (शिंदे सेना) यहाँ के प्रभावशाली चेहरा हैं। इस सीट पर किसी भी विशेष आरक्षण का न होना इसे 'ओपन फाइट' बनाता है, जहाँ महायुति और महाविकास अघाड़ी दोनों ने अपने सबसे अनुभवी सांगठनिक चेहरों को उतारने की रणनीति अपनाई है ताकि सांताक्रूज पूर्व के इस महत्वपूर्ण पॉकेट पर कब्जा किया जा सके।

- **4. प्रभाग क्रमांक 165 (कलिना - विद्यानगरी):** इस प्रभाग में सबसे बड़ा बदलाव आरक्षण के स्तर पर हुआ है। 2017 में 'सर्वसामान्य' रहा यह वॉर्ड अब 2025 के लिए 'सर्वसामान्य महिला' (G L) के लिए आरक्षित कर दिया गया है। इसके कारण वर्तमान नगरसेवक ब्रायन मिरांडा (कांग्रेस) स्वयं चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। कांग्रेस ने यहाँ से मोहम्मद अश्रफ आझमी के साथ तालमेल बिठाते हुए महिला उम्मीदवारों पर ध्यान केंद्रित किया है, जबकि एनसीपी (शरद पवार) ने अभिजीत कांबळे को यहाँ से मैदान में उतारा है। महिला आरक्षण लागू होने से यहाँ कई नए महिला चेहरों के उभरने की संभावना है।

- **5. प्रभाग क्रमांक 166 (कलिना - कुरार/कलिना विलेज):** प्रभाग 166 में भी महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है; जो सीट 2017 में 'ओबीसी' के लिए आरक्षित थी, वह अब 2025 में 'सर्वसामान्य' (GENERAL) श्रेणी में आ गई है। वर्तमान नगरसेवक संजय आगिवले (शिवसेना UBT) के लिए यह एक अवसर है, लेकिन बीजेपी ने यहाँ से घनश्याम भापकर को उतारकर मुकाबले को चुनौतीपूर्ण बना दिया है। मनसे (MNS) की ओर से राजन मधुकर खैरनार और शिंदे सेना की ओर से मीनल तुरडे चुनावी मैदान में हैं। सीट के 'जनरल' होने से यहाँ मुकाबला बहुकोणीय और बेहद दिलचस्प हो गया है।

चारकोप विधानसभा क्षेत्र

बीजेपी का सबसे सुरक्षित किला

धीरज सिंह | मुंबई

महाराष्ट्र की विधानसभा सीटों में एक है चारकोप। भाजपा के गढ़ चारकोप विधानसभा क्षेत्र से योगेश सागर चौथी बार विधायक है। चारकोप में झुग्गी-झोपड़ी की बड़ी आबादी है और यहां 30% से अधिक महाराष्ट्रीयन और 35% गुजराती समुदाय के लोग रहते हैं। इस क्षेत्र में करीब 20% उत्तर भारतीय मतदाता हैं। स्थानीय निवासियों को जिन समस्याओं का सामना करना पड़ता है, उनमें यातायात की भीड़, अतिक्रमण, अवैध फेरी, पुनर्विकास और म्हाडा भूखंडों का विकास शामिल हैं। चूंकि विधायक स्तर पर बीजेपी का यहाँ एकतरफा प्रभाव है, इसलिए आगामी बीएमसी चुनाव में भी बीजेपी को यहाँ बढ़त मिलने की उम्मीद है। हालांकि, उद्धव सेना और राज ठाकरे की मनसे के बीच साझा समीकरणों के कारण मराठी बहुल पॉकेट्स (जैसे पोयसर और गाँवठान) में मुकाबला कड़ा हो सकता है।

प्रभाग क्रमांक 19

प्रभाग क्रमांक 19 में कुल मतदाताओं की संख्या 51,712 है। इस प्रभाग में मुकाबला पूरी तरह से 'महिला शक्ति' के इर्द-गिर्द सिमटा हुआ है। भाजपा ने यहाँ दक्षता कवठणकर को चुनावी मैदान में उतारा है, जिनका मुकाबला उद्धव सेना की लीना गुढेकर से है। यह क्षेत्र पारंपरिक रूप से मराठी बहुल और शिवसेना का गढ़ रहा है, लेकिन भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में यहाँ अपना आधार काफी मजबूत किया है। चूँकि यहाँ की वर्तमान नगरसेविका शुभदा गुढेकर रही हैं, इसलिए उद्धव सेना के लिए अपनी पुरानी साख बचाना एक बड़ी चुनौती है, जबकि भाजपा यहाँ 'मगाठाणे' के विकास और मेट्रो कनेक्टिविटी जैसे मुद्दों पर चुनाव लड़ रही है।

प्रभाग क्रमांक 20

प्रभाग क्रमांक 20 में मतदाताओं की कुल संख्या 41,376 दर्ज की गई है। प्रभाग 20 में मुकाबला त्रिकोणीय होने की संभावना है, जहाँ भाजपा ने दीपक तावड़े (बाळा तावड़े) को उम्मीदवार बनाया है। यहाँ की सबसे बड़ी चुनौती मनसे (MNS) की ओर से आ रही है, जिसने अपने कद्दावर नेता दिनेश साळवी को मैदान में उतारा है। साळवी की मौजूदगी ने यहाँ के मराठी वोट बैंक में विभाजन की स्थिति पैदा कर दी है। भाजपा के लिए यहाँ अपने 'कोर' गुजराती और उत्तर भारतीय मतदाताओं को एकजुट रखना और विकास कार्यों के दम पर जीत हासिल करना मुख्य प्राथमिकता है, जबकि विपक्षी दल स्थानीय नाराजगी को भुनाने की कोशिश में हैं।

प्रभाग क्रमांक 21

मतदाता संख्या के मामले में प्रभाग क्रमांक 21 इस क्षेत्र का सबसे बड़ा वॉर्ड है, जहाँ कुल 56,193 मतदाता हैं। आरक्षण में हुए बदलाव ने इस प्रभाग के समीकरणों को दिलचस्प बना दिया है। 'OBC महिला' के लिए आरक्षित इस सीट पर भाजपा ने लीना देहरेकर (पटेल) पर दांव लगाया है। यहाँ मनसे की सोनाली देव मिश्रा उन्हें कड़ी टक्कर दे रही हैं। यह वॉर्ड रिहायशी टावरों और पुरानी बस्तियों का मिश्रण है, जहाँ बुनियादी सुविधाओं जैसे पानी की आपूर्ति और पार्कों के रखरखाव पर जनता का ध्यान केंद्रित है। भाजपा का मजबूत संगठन यहाँ उनकी सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन नए आरक्षण के कारण उभरे नए चेहरे मतदाता के मिजाज को बदलने की क्षमता रखते हैं।

प्रभाग क्रमांक 22

प्रभाग क्रमांक 22 में कुल मतदाताओं की संख्या 44,216 है। चारकोप विधानसभा के अंतर्गत आने वाले इस प्रभाग में भाजपा ने अपने अनुभवी नेता हेमांशु पारेख को मैदान में उतारा है। यह क्षेत्र भाजपा का सबसे सुरक्षित माना जाने वाला 'पॉकेट' है, जहाँ गुजराती और मारवाड़ी मतदाताओं की संख्या निर्णायक है। कांग्रेस की ओर से प्रदीप कोठारी की दावेदारी इस मुकाबले को औपचारिक रूप से द्विध्रुवीय बनाने की कोशिश कर रही है। यहाँ 'पुनर्विकास' (Redevelopment) एक प्रमुख मुद्दा है, और विधायक योगेश सागर का प्रभाव हेमांशु पारेख के पक्ष में एक बड़ी जीत का मार्ग प्रशस्त करता नजर आ रहा है।

प्रभाग क्रमांक 30

चारकोप सेक्टर के मुख्य हिस्से में आने वाले प्रभाग क्रमांक 30 में मतदाताओं की संख्या 48,837 है। प्रभाग 30 में भाजपा ने युवा नेतृत्व को मौका देते हुए धवल वोरा को टिकट दिया है। यह वॉर्ड 'सामान्य महिला' आरक्षण से मुक्त होकर अब 'सामान्य' श्रेणी में है, जिससे यहाँ चुनावी प्रतिद्वंद्विता बढ़ गई है। उद्धव सेना यहाँ साधना वरस्कर के माध्यम से अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रही है। चारकोप सेक्टर 8 और 9 के इस इलाके में मध्यमवर्गीय परिवारों की बहुलता है।

प्रभाग क्रमांक 31

प्रभाग क्रमांक 31 में कुल 46,025 मतदाता पंजीकृत हैं। यह प्रभाग अपनी विविधता के लिए जाना जाता है, जहाँ भाजपा की मनीषा यादव और कांग्रेस की बीना सिंह के बीच सीधा मुकाबला है। उत्तर भारतीय मतदाताओं की बड़ी संख्या यहाँ किसी भी दल की जीत की चाबी है। 2017 में भाजपा ने यहाँ अपना परचम लहराया था, लेकिन इस बार कांग्रेस मालवणी से सटे इलाकों में अपने पुराने वोट बैंक को वापस पाने की कोशिश कर रही है। 'हिंदुत्व' बनाम 'सेकुलर' राजनीति का प्रभाव यहाँ स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जिससे यह चारकोप बेल्ट की सबसे हाई-प्रोफाइल और संवेदनशील सीटों में से एक बन गई है।

आंकड़ों में इलेक्शन

नामांकन संपन्न

मुंबई। महाराष्ट्र के प्रमुख नगर निगमों में आगामी चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। राज्य के सियासी गढ़ माने जाने वाले मुंबई (BMC) में 227 सीटों के लिए 2,516 उम्मीदवारों ने पर्चा भरा है। हालांकि, सबसे दिलचस्प मुकाबला पुणे में देखने को मिल रहा है, जहाँ 165 सीटों के लिए रिकॉर्ड 3,179 नामांकन आए हैं। नाशिक में भी 122 सीटों के लिए 2,356 दावेदारों ने अपनी किस्मत आजमाई है, जिससे यहाँ मुकाबला त्रिकोणीय या चतुष्कोणीय होने की संभावना बढ़ गई है।

पुणे में सबसे अधिक तो वसई-विरार में सबसे कम दावेदार

- कुल नगर निगम: 29
- कुल वॉर्ड: 893
- कुल सीटें: 2,869
- कुल नामांकन: 33,606

प्रमुख शहरों का हाल

राज्य के अन्य बड़े शहरों की बात करें तो पिंपरी-चिंचवड में 128 सीटों के लिए 1,993 और छत्रपति संभाजीनगर में 115 सीटों के लिए 1,870 नामांकन प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री के गृह जनपद ठाणे में 131 सीटों के लिए 1,128 नामांकन हुए हैं, जबकि नागपुर में 151 सीटों के लिए 1,452 दावेदार मैदान में हैं। सोलापुर में 102 सीटों के लिए 1,460 नामांकन आए हैं। तुलनात्मक रूप से देखें तो नवी मुंबई (956) और वसई-विरार (935) में नामांकन की संख्या अन्य बड़े शहरों के मुकाबले कम रही है।

क्षेत्रीय निगमों में होड़

अन्य नगर निगमों में भी उम्मीदवारों का उत्साह चरम पर है। जालना में मात्र 65 सीटों के लिए 1,260 नामांकन दाखिल हुए हैं, जो प्रति सीट दावेदारों के उच्च अनुपात को दर्शाता है। इसी तरह भिवंडी-निजामपुर में 90 सीटों के लिए 1,033 दावेदार आमने-सामने हैं। मीरा-भायंदर में 95 सीटों के लिए 632 और कल्याण-डोंबिवली में 122 सीटों के लिए 860 नामांकन प्राप्त हुए हैं। अब सभी की नजरें नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी की तिथि पर टिकी हैं, जिसके बाद चुनावी तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी।